मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | जबलपुर, बुधवार 16 सितंबर 2026 | वर्ष-07, अंक-319, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

राजौरी में लश्कर-ए-तैयबा के नेटवर्क का भंडाफोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने राजौरी ज़िले में प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े नेटवर्क का पर्दाफाश कर तीन लोगों गिरफ्तार किया और उनके पास से एक शक्तिशाली विस्फोटक भी बरामद किया है। अधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि लश्कर-ए-तैयबा से कथित तौर पर जुड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ कर तीन लोगों को गिरफ़्तार किया गया है। गिरफ़्तार लोगों की पहचान राजौरी के कोटचरवाल टेरियाथ के जाकिर हुसैन, कोटचरवाल टेरियाथ के मोहम्मद आजम और राजौरी के उधान के मोहम्मद मुश्ताक के तौर पर हुई है।

उन्होंने बताया कि ये गिरफ़्तारियां राजौरी-पुंछ इलाके में सक्रिय एक आतंकी गुट की जांच के दौरान की गईं। शुरूआती जांच से पता चला है कि आरोपी कथित तौर पर आतंकवादियों को रसद सहायता , सुरक्षित आवाजाही और जमीनी स्तर पर अन्य मदद मुहैया कराने में शामिल थे। जांच में यह भी पता चला है कि आरोपियों ने कथित रुप से गाइड के तौर पर काम किया और कश्मीर घाटी की ओर आतंकवादी समूहों की आवाजाही में मदद की।

सूत्रों ने कहा कि गिरफ़्तार लोगों पर उन आतंकवादियों को जमीनी मदद देने का भी शक है जो कई हाई-प्रोफाइल हमलों में शामिल थे, जिनमें नागरिकों को निशाना बनाकर किया गया हमला भी शामिल है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक यह विस्फोटक कथित तौर पर एक आतंकवादी समूह के सदस्यों ने आरोपियों को सुरक्षित रखने और किसी लक्षित हमले में संभावित इस्तेमाल के लिए सौंपा था। मामले की जांच जारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिये गए निर्णय

सर्वांगीण विकास, अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण और जनकल्याण के कार्यों के लिए 42 हजार 490 करोड़ रुपए की स्वीकृति

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक संपन्न हुई। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास, अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण और जनकल्याण को गति देने के लिए 42 हजार 490 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावों को मंजूरी दी। मंत्रि-परिषद ने गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा के विस्तार के लिए केन्द्र प्रवर्तित 'समग्र शिक्षा योजना' की आगामी पांच वर्षों की निरंतरता के लिए 36 हजार 6 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति प्रदान की। नागरिक सुविधाओं में वृद्धि के उद्देश्य से परिवहन विभाग की 11 योजनाओं के लिए 1 हजार 166 करोड़ रुपये तथा किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से उद्यानिकी विभाग की 8 योजनाओं के लिए 491 करोड़ रुपये की निरंतरता अनुमोदित की गई।

जल संसाधन के क्षेत्र में उज्जैन की चितावद, सिंगरौली की गौंड तथा अशोकनगर की चंदेरी सिंचाई परियोजनाओं के लिए 2 हजार 600 करोड़ रुपये से अधिक स्वीकृत किए गए, जिससे 1 लाख 27 हजार हेक्टेयर से अधिक रकबे में सिंचाई क्षमता विकसित होगी। प्रशासनिक तंत्र को मजबूत करते हुए नवगठित जिलों मैहर, मऊगंज और पांदुर्णा में खनिज शाखा की स्थापना के लिए 21 नवीन पदों तथा अनूपपुर व शहडोल के उन्नयित स्कूलों के लिए 36 पदों के सृजन को स्वीकृति दी गई। साथ ही रक्षाबंधन पर लाड़ली बहनों को 250 रुपये की अतिरिक्त विशेष सहायता दिए जाने का अनुसमर्थन और मार्कफेड को 2,220 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण देने का भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

समग्र शिक्षा योजना की निरंतरता के लिए 36,006.22 करोड़ रुपए की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने केन्द्र प्रवर्तित योजना समग्र शिक्षा के वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक निरंतर संचालन के लिए 36,006.22 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। समग्र शिक्षा योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रावधान एवं विद्यार्थियों के सीखने के प्रतिफलों में वृद्धि करना, शाला शिक्षा में सामाजिक एवं लैंगिक भेद को कम करना, शाला शिक्षा के सभी स्तरों पर समता एवं समावेशन सुनिश्चित करना, शाला शिक्षा के प्रावधानों में न्यूनतम मानकों को सुनिश्चित करना, शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देना, निःशुल्क व अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के कार्यान्वयन में राज्य को सहायता देना और शिक्षक प्रशिक्षण के लिए एस.सी.ई.आर.टी. / राज्य शिक्षा संस्थान और डाइट को नोडल एजेंसियों के रूप में सुदृढ़ीकरण और उन्नयन करना है। साथ ही सार्व-भौमिक पहुंच, समता और गुणवत्ता, शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देना और शिक्षक शिक्षा संस्थानों को सुदृढ़ किये जाने को इस योजना के मुख्य परिणामों के रूप में निर्धारित किया गया है।

मंत्रि-परिषद ने परिवहन विभाग के सुचारू संचालन, अधोसंरचना विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार को ध्यान में रखते हुए विभाग अंतर्गत संचालित राजस्व एवं पूंजीगत व्यय सम्बंधी 500 करोड़ रुपए से कम की योजनाओं की 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरंतर संचालन के लिए कुल 1,166 करोड़ 60 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। स्वीकृति अनुसार उड़नदस्ता एवं चेक पॉइंट की स्थापना व्यय के लिए सर्वाधिक 377 करोड़ 41 लाख रुपये तथा जिला स्थापना व्यय के लिए 361 करोड़ 89 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा विभाग के मुख्यालय स्थापना व्यय के लिएभी 120 करोड़ 10 लाख रुपये और राज्य परिवहन अपीलीय अधिकरण के संचालन के लिए 10 करोड़ 39 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। डिजिटल सेवाओं और अधोसंरचना के अंतर्गत स्मार्ट कार्ड योजना के निरंतर संचालन के लिए 245 करोड़ 55 लाख रुपये का अनुमोदन किया गया है। विभागीय कार्यालय भवनों के नवीन निर्माण कार्यों के लिए 30 करोड़ रुपये तथा मौजूदा परिसंपत्तियों के संधारण और रखरखाव के लिए लगभग 5.50 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

सड़क सुरक्षा, जनहित और महिला सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को भी निरंतरता प्रदान की गई है। कुशल चालकों को तैयार करने के लिए ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना के लिए 12 करोड़ रुपये का अनुदान मंजूर किया गया है। ग्रामीण अंचलों में बेहतर आवागमन के लिए 'ग्रामीण परिवहन नीति' के क्रियान्वयन के लिए 2 करोड़ 50 लाख रुपये, सड़क हादसों में पीड़ितों की मदद करने वाले नागरिकों को प्रोत्साहित करने के लिए 'नेक व्यक्ति पुरस्कार' के लिए 1 करोड़ 25 लाख रुपये और सार्वजनिक सड़क परिवहन में महिलाओं की सुरक्षा (निर्भया फंड) के लिए आवश्यक वित्तीय प्रावधान को स्वीकृति दी गई है।

मंत्रि-परिषद ने उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की आठ प्रमुख राज्य पोषित योजनाओं को आगामी पांच वर्षों 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक के लिए निरंतर संचालित करने के प्रस्ताव को औपचारिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस अवधि के लिए कुल 491 करोड़ रुपये के वित्तीय आकार को मंजूरी दी गई है। यह निर्णय राज्य में किसानों की आय बढ़ाने, उद्यानिकी फसलों के रकबे व गुणवत्ता में सुधार करने और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लिया गया है।

वन टाइम रजिस्ट्रेशन व्यवस्था लागू

उत्तर प्रदेश में 15 हजार शिक्षकों की बंपर भर्ती

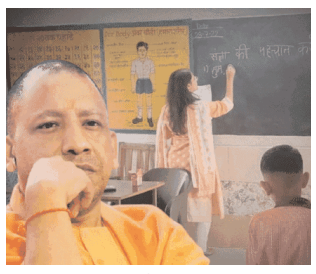

एजेन्सी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में युवाओं को शिक्षक भर्ती के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षक भर्ती से संबंधित दो महत्वपूर्ण विज्ञापन जारी किए गए हैं। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि इन विज्ञापनों के माध्यम से कुल 15,012 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि आयोग द्वारा प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत सहायक अध्यापक सम्बद्ध प्राइमरी (अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों) के 897 रिक्त पदों तथा बेसिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत सहायक अध्यापक, शहरी के 11,508 रिक्त पदों का विज्ञापन जारी किया गया है। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए आयोग ने वन टाइम रजिस्ट्रेशन व्यवस्था लागू की है। अभ्यर्थियों को वन टाइम रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद ही संबंधित पदों के लिए आवेदन करना होगा।

विज्ञापन संख्या-05/2026 के अन्तर्गत सहायक अध्यापक सम्बद्ध प्राइमरी और सहायक अध्यापक, शहरी के पदों के लिए विज्ञापन 15 सितम्बर, 2026 को जारी किया गया है। ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन की प्रक्रिया 16 सितम्बर, 2026 से प्रारम्भ होगी। ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर, 2026 निर्धारित की गई है।

रेल मंत्री ने देश को चार गति शक्ति कार्गो टर्मिनल समर्पित किए

एक सत बुलेटिन, भोपाल

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज गुजरात में पांच गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों का उद्घाटन किया, उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया और उनकी आधारशिला रखी। इससे राज्य की माल ढुलाई क्षमता मजबूत होगी और देश भर में क्षेत्रीय आर्थिक केंद्रों, बंदरगाहों और बाजारों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

श्री वैष्णव ने शिवलाखा GCT से मीठापुर के लिए नमक से लदी मालगाड़ी को भी हरी झंडी दिखाई। यह गुजरात से नमक को उसकी मंजिल तक पहुंचाने के लिए रेल के इस्तेमाल को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पांच GCT में से, कच्छ में शिवलाखा और भीमसार, मोरबी में देवलिया और बनासकांठा में चंडीसार स्थित GCT को राष्ट्र को समर्पित किया गया। मेहसाणा के लिंच में GCT की आधारशिला रखी गई। ये टर्मिनल माल ढुलाई के लिए रेल

क्षमता बढ़ाने, बंदरगाहों पर भीड़ और रुकावटें कम करने और गुजरात के बंदरगाहों तथा उत्तरी भीतरी इलाकों के बीच माल ढुलाई की कनेक्टिविटी को मजबूत करने में मदद करेंगे। स्थानीय आर्थिक केंद्रों को बड़े राष्ट्रीय बाजारों और बंदरगाहों से जोड़कर, GCTs इस क्षेत्र में बढ़ती औद्योगिक, व्यापारिक और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देंगे नमक के ट्रांसपोर्टेशन की अहमियत बताते हुए, श्री वैष्णव ने कहा कि नमक एक जरूरी चीज है जिसका इस्तेमाल हर घर में होता है, चाहे वह गरीब परिवार हो या मध्यम-वर्गीय परिवार। उन्होंने कहा कि गुजरात, खासकर कच्छ, नमक का एक बड़ा उत्पादक इलाका है और देश के अलग-अलग हिस्सों में नमक पहुँचाने में हमेशा से कई चुनौतियाँ रही हैं।

श्री वैष्णव ने बताया कि जब पारंपरिक रेलवे वैगन में नमक का ट्रांसपोर्टेशन किया जाता था, तो वैगन की कुल क्षमता का एक बड़ा हिस्सा खुद वैगन के वजन में ही चला जाता था। इसके अलावा, नमक नमी सोख लेता है, जिससे ट्रांसपोर्टेशन के दौरान माल गीला हो जाता था। इससे लोडिंग और अनलोडिंग में दिक्कतें आती थीं। उन्होंने आगे बताया कि नए हल्के वजन वाले स्टेनलेस स्टील सॉल्ट कंटेनर को खास तौर पर इन चुनौतियों से निपटने के लिए डिजाइन किया गया है।

फॉर्म में लौटे संजू सैमसन

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ लगातार 10वां टी20 जीता

एजेन्सी, नई दिल्ली

भारतीय टीम ने अफगानिस्तान को दूसरे टी20 मुकाबले में सात विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। अफगानिस्तान ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 159 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने 14.5 ओवर में तीन विकेट पर 163 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। भारत के लिए इस मैच में जहां नीतीश रेड्डी ने गेंदबाजी में प्रभावित किया, वहीं, सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने फॉर्म में वापसी करते हुए अर्धशतक लगाया।

भारत ने अभी तक टी20 इतिहास में अफगानिस्तान के खिलाफ कोई मैच नहीं गंवाया है। भारत ने दबदबा बरकरार रखते हुए अफगानिस्तान के खिलाफ लगातार 10वां टी20 मुकाबला जीता। ये टी20 में भारत के खिलाफ किसी टीम की लगातार सर्वाधिक हार है। अफगानिस्तान ने इस मामले में बांग्लादेश को पीछे छोड़ा। बांग्लादेश ने 2019 से 2025 के बीच भारत के खिलाफ लगातार नौ मैच गंवाए थे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सैमसन और अभिषेक ने टीम इंडिया को मजबूत शुरूआत दिलाई। सैमसन पिछले मैच में सस्ते में आउट हुए थे। वैभव सूर्यवंशी को बैठाकर उन्हें मौका देने पर सवाल खड़े किए जा रहे थे, लेकिन सैमसन ने एशियाई खेलों से ठीक पहले फॉर्म में वापसी की और भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

यूपीआई का नया नियम

15 अक्तूबर से 2000 रुपये से अधिक के भुगतान पर 0.4% शुल्क

एजेन्सी, नई दिल्ली

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। 15 अक्तूबर से चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट (पीटूएम) यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगेगा। पीटूपी लेनदेन पहले की तरह मुफ्त ही बना रहेगा। एमडीआर केवल कारोबारियों के लिए देय होगा। यह बदलाव डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करेगा।

एनपीसीआई के अनुसार, 2,000 रुपये से अधिक के लेनदेन पर व्यापारियों को 0.4 फीसदी का शुल्क देना होगा। 75,000 रुपये या उससे अधिक के भुगतान पर अधिकतम शुल्क 300 रुपये तय किया गया है। यह नया ढांचा यूपीआई पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अधिक टिकाऊ वाणिज्यिक मॉडल बनाने के उद्देश्य से है। इससे प्राप्त आय का उपयोग भुगतान बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए किया जाएगा। साथ ही, साइबर सुरक्षा, नवाचार और ग्राहक सेवा को बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी। यह कदम डिजिटल लेनदेन को और मजबूत करेगा।

व्यापारियों पर क्या होगा असर?

इस नए नियम से उन व्यापारियों पर सीधा असर पड़ेगा जो 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन स्वीकार करते हैं। उन्हें प्रत्येक ऐसे लेनदेन पर 0.4 फीसदी का शुल्क देना होगा। हालांकि, 75,000 रुपये से अधिक के बड़े भुगतानों के लिए शुल्क 300 रुपये तक सीमित रहेगा। यह शुल्क व्यापारियों के लिए एक नई लागत होगी। इसका उद्देश्य यूपीआई प्रणाली को आत्मनिर्भर बनाना है।

पारंपरिक डेबिट और क्रेडिट कार्ड की तुलना में यूपीआई एमडीआर कैसा है?

पारंपरिक कार्ड भुगतानों की तुलना में यूपीआई एमडीआर को काफी कम और किफायती रखा गया है। जहां मानक क्रेडिट कार्ड पर एमडीआर 1.5% से 2.5% और डेबिट कार्ड पर 0.90% तक होता है, वहीं यूपीआई का 0.4% बेसलाइन एमडीआर (अधिकतम ?300 की सीमा के साथ) इसे वाणिज्यिक उद्यमों के लिए सबसे सस्ता डिजिटल पेमेंट स्वीकृति उपकरण बनाता है। इससे व्यापारियों की पेमेंट प्रोसेसिंग लागत में सीधी कमी आती है।

कुछ रेलवे टिकट पर शुल्क का क्या असर पड़ेगा?

विशिष्ट व्यापारी श्रेणियों के लिए एक निश्चित व्यापारी छूट दर (एमडीआर) लागू की गई है। इसमें रेलवे, दूरसंचार सेवाएं, बीमा और ईंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। यह दर 2000 रुपये से अधिक के प्रत्येक लेनदेन पर 5 रुपये निर्धारित की गई है। इन विशिष्ट क्षेत्रों पर 0.4 फीसदी की परिवर्तनीय दर के बजाय एक निश्चित शुल्क लिया जाता है। यह शुल्क लेनदेन की कुल राशि पर निर्भर नहीं करता है, बल्कि प्रति लेनदेन केवल 5 रुपये तय है। यह निश्चित दर मॉडल महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवाओं में संभावित लागत वृद्धि को रोकने में सहायक है। उपयोगिता बिल संग्रह और ईंधन खुदरा जैसे कम लाभ वाले क्षेत्रों में भी यह व्यवस्था लागू है। इसका मुख्य उद्देश्य आवश्यक उपभोक्ता सेवाओं को कम लागत वाला बनाए रखना है। साथ ही, यह सुनिश्चित करता है कि ये सेवाएं डिजिटल रूप से कुशल बनी रहें। यह नीति इन क्षेत्रों में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इससे उपभोक्ताओं पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं पड़ता है। रेलवे टिकट की खरीद पर भी यह निश्चित शुल्क लागू होता है। यदि टिकट का मूल्य 2000 रुपये से अधिक है, तो प्रति लेनदेन 5 रुपये का निश्चित शुल्क लगेगा। यह यात्रियों के लिए एक निश्चित लागत सुनिश्चित करता है, चाहे टिकट की कीमत कितनी भी अधिक हो। परिवर्तनीय दर के बजाय निश्चित शुल्क से बड़े लेनदेन पर यात्रियों को सीधा लाभ मिलता है। यह रेलवे सेवाओं को डिजिटल रूप से अधिक सुलभ और किफायती बनाने में मदद करता है।

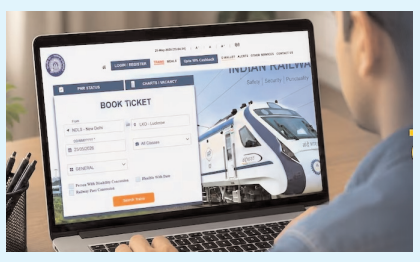

2 अक्टूबर तक स्वच्छता, जनभागीदारी एवं जागरूकता गतिविधियां; 1 से 15 अक्टूबर तक 'स्वच्छता पखवाड़ा' और 2 से 31 अक्टूबर तक 'विशेष अभियान 6.0' का आयोजन

भोपाल मंडल में 17 सितम्बर से शुरू होगा 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

स्वच्छ एवं विकसित भारत के संकल्प को साकार करने तथा रेलवे परिसरों में स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2026 तक 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही 1 से 15 अक्टूबर 2026 तक 'स्वच्छता पखवाड़ा-2026' तथा 2 से 31 अक्टूबर 2026 तक 'विशेष अभियान 6.0' का आयोजन किया जाएगा। ये सभी अभियान 2 अक्टूबर 2026 को मनाए जाने वाले स्वच्छ भारत दिवस की पूर्व तैयारी एवं व्यापक जनजागरूकता के रूप में आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष अभियान की मुख्य थीम 'स्वच्छता में सहभाग; स्वच्छ भारत, विकसित भारत' है। भोपाल मंडल में अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन, यात्री प्रतीक्षालय, प्लेटफॉर्म, रेलगाड़ियां, रेलवे कॉलोनियां, कार्यालय, यार्ड तथा रेल परिसरों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाए जाएंगे। इसके साथ ही यात्रियों, रेल कर्मचारियों, विद्यार्थियों, युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों एवं स्थानीय नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देने पर विशेष जोर रहेगा। अभियान के दौरान लंबे समय से गंदगी वाले स्थानों

को चिन्हित कर उनकी विशेष सफाई, कचरा हटाने, सौंदर्यीकरण एवं स्वच्छता के स्थायी प्रबंधन पर कार्य किया जाएगा, ताकि इन स्थानों पर दोबारा गंदगी न हो। साथ ही कचरे का पृथक्करण, उचित निस्तारण, प्लास्टिक कचरे में कमी तथा सफाई मित्रों की सुरक्षा, सम्मान एवं कल्याण से संबंधित गतिविधियों को भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाएगा। 'स्वच्छता ही सेवा-2026' के अंतर्गत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक विभिन्न चरणों में गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें विद्यार्थियों एवं युवाओं की सहभागिता, चिन्हित गंदगी वाले स्थानों का कायाकल्प, स्टेशन एवं रेलगाड़ियों की विशेष सफाई, स्वच्छता जनजागरूकता अभियान, खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश, पर्यटन एवं विरासत स्थलों की सफाई तथा 'कबाड़ से कला' जैसी गतिविधियां शामिल रहेंगी। अभियान के अंतिम चरण में सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 1 अक्टूबर को प्रातः 8 बजे 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' अभियान के अंतर्गत सामूहिक श्रमदान का आयोजन किया जाएगा। वहीं 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर स्वच्छता शपथ, जनजागरूकता कार्यक्रम, श्रमदान एवं पौधरोपण सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके पश्चात 1 से 15 अक्टूबर तक 'स्वच्छता पखवाड़ा-2026' के अंतर्गत रेलवे परिसरों में गहन स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान ट्रैक एवं रेलवे परिसरों के आसपास जमा पुराने कचरे को हटाने, अनधिकृत पोस्टर-बैनर एवं गुटखा प्रभावित स्थानों की सफाई, कचरे के पृथक्करण तथा स्वच्छता संबंधी जागरूकता गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही 2 से 31 अक्टूबर 2026 तक 'विशेष अभियान 6.0' के तहत स्वच्छता एवं लंबित कार्यों के निस्तारण पर केंद्रित गतिविधियां संचालित की जाएंगी। अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों को अधिक स्वच्छ, सुंदर, व्यवस्थित एवं यात्री सुविधाओं के अनुकूल बनाना है। भोपाल मंडल रेल प्रशासन ने यात्रियों एवं आमजन से अपील की है कि वे रेलवे परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें, कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें तथा गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने की आदत अपनाएं। रेल प्रशासन ने सभी यात्रियों एवं नागरिकों से 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में सक्रिय सहभागिता कर 'स्वच्छ भारत, विकसित भारत' के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया है।

किसान कल्याण वर्ष में शत-प्रतिशत उपलब्धि के साथ भोपाल संभाग को प्रथम स्थान दिलाने का लक्ष्य

शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : संभागायुक्त शर्मा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में कृषि एवं किसान कल्याण, उद्यानिकी, पशुपालन तथा मत्स्य विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। संभागायुक्त श्री शर्मा ने संभाग एवं जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके लिए मैदानी स्तर से संभाग स्तर तक प्रतिदिन व्यवस्थित मॉनिटरिंग और समीक्षा की प्रभावी व्यवस्था विकसित की जाए। संभागायुक्त श्री शर्मा ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष-2026 के अंतर्गत कृषि एवं संबद्ध विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन में शत-प्रतिशत उपलब्धि अर्जित कर भोपाल संभाग को प्रदेश में प्रथम स्थान दिलाना सभी अधिकारियों का लक्ष्य होना चाहिए। किसानों से जुड़े प्रत्येक विषय को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। कृषि एवं संबद्ध विभाग आपसी समन्वय से मैदानी स्तर पर कार्य करें तथा नवाचारों के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें। उद्यानिकी विभाग की समीक्षा करते हुए संभागायुक्त ने सभी जिलों में उद्यानिकी फसलों की गिरदावरी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

मेट्रोपॉलिटन रीजन में स्थापित होंगे कृषि आधारित क्लस्टर

संभागायुक्त श्री शर्मा ने भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन में क्षेत्रवार क्लस्टर आधारित उद्यानिकी फसलों और कृषि-संबद्ध गतिविधियों का सटीक मैदानी डेटा एकत्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपलब्ध संसाधनों एवं मांग का आकलन कर कोल्ड स्टोरेज, फूड प्रोसेसिंग यूनिट, डेयरी तथा अन्य रोजगारपरक उद्योगों की स्थापना के लिए समग्र योजना तैयार करने को कहा। उन्होंने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्यपालन से संबंधित क्लस्टर आधारित उद्योगों की स्थापना के साथ छोटे एवं रोजगारपरक कृषि आधारित उद्योगों को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

एग्री स्टैक आईडी और किसान पंजीयन के लिए चलेगा अभियान

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए संभागायुक्त ने सभी जिलों में किसानों की एग्री स्टैक आईडी बनाने तथा ई-विकास पोर्टल पर किसानों के पंजीयन, ई-टोकन बुकिंग और समिति स्तर पर सदस्य किसानों का पंजीयन सुनिश्चित कराने के लिए व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद एवं बीज की उपलब्धता की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। अमानक खाद एवं बीज के विक्रय में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर एफआईआर दर्ज कराई जाए। पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए संभागायुक्त श्री शर्मा ने दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, पशुधन संवर्धन, पशु स्वास्थ्य सेवाओं, कृत्रिम गर्भाधान, नस्ल सुधार कार्यक्रमों तथा 'क्षीरधारा' जैसी अभिनव योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पशुपालन को कृषि के वास्तविक पूरक व्यवसाय के रूप में विकसित किया जाए, जिससे ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त एवं स्थायी आय के अवसर प्राप्त हो सकें। मत्स्यपालन विभाग की समीक्षा के दौरान संभागायुक्त ने उपलब्ध जलाशयों का वैज्ञानिक एवं अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने, केज कल्चर को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित करने तथा गुणवत्तायुक्त मत्स्य बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आधुनिक मत्स्य उत्पादन तकनीकों के विस्तार के साथ मत्स्य उत्पादों के मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण एवं प्रभावी विपणन की व्यवस्था विकसित करने को कहा।

सीटीवीएस में उत्कृष्ट क्लिनिकल अभ्यास के लिए एम्स सम्मानित

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

एम्स भोपाल को ऑपरेशन थियेटर (सीटीवीएस) में उत्कृष्ट नैदानिक प्रक्रियाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। एम्स नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय रोगी सुरक्षा सम्मेलन 2026 में संस्थान को 'ऑपरेशन थियेटर (सीटीवीएस) में उत्तम नैदानिक अभ्यास' के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रैक्टिस प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। यह सम्मेलन राष्ट्रीय रोगी सुरक्षा सचिवालय (एनपीएसएस), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया। सम्मेलन में रोगी सुरक्षा और उपचार की गुणवत्ता बेहतर बनाने के लिए अपनाई जा रही प्रभावी प्रक्रियाओं और नवाचारों पर चर्चा की गई। एम्स भोपाल को मिला सम्मान ऑपरेशन थियेटर में सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार के लिए संस्थान द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं की राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता है।

अनंत चतुर्दशी पर विसर्जन मार्गों की सफाई और मरम्मत के निर्देश

भोपाल। अनंत चतुर्दशी और डोल ग्यारस पर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन को देखते हुए नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने मंगलवार को निगम मुख्यालय अटल भवन में अधिकारियों की बैठक लेकर विसर्जन घाटों, झीलों और चल समारोह मार्गों की बेहतर साफ-सफाई तथा आवश्यक मरम्मत कार्य तेजी से कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों की मरम्मत के लिए कार्ययोजना आगामी समीक्षा बैठक में प्रस्तुत करने को कहा। सीवेज लाइन के कार्यों में आवश्यक सुधार कराने और मानकों के अनुरूप रेस्टोरेशन नहीं करने वाले संबंधित ठेकेदारों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। विसर्जन घाटों और भंडारा स्थलों पर गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने तथा उसका पृथक परिवहन सुनिश्चित करने को कहा।

शक्ति सदन और मिशन वात्सल्य अनुदान के लिए ई-पोर्टल का शुभारंभ किया गया

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने मंगलवार को मंत्रालय में मिशन शक्ति के शक्ति सदन और मिशन वात्सल्य की अशासकीय बाल देखरेख संस्थाओं के लिए अनुदान ई-पोर्टल का शुभारंभ किया। इसके साथ ही संस्थाओं को अनुदान देने की मैनुअल प्रक्रिया को डिजिटल व्यवस्था में बदलने की शुरुआत हुई। अब आवेदन से लेकर दस्तावेज अपलोड, प्रस्ताव परीक्षण, स्वीकृति, भुगतान और प्रगति की निगरानी एक ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से की जा सकेगी। पोर्टल से प्रस्तावों की रियल टाइम ट्रैकिंग संभव होगी और संस्थाओं को बार-बार विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। डिजिटल रिकॉर्ड से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने के साथ अनुदान भुगतान में भी तेजी आएगी। उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर विभाग योजनाओं की प्रगति का आकलन कर आवश्यक निर्णय ले सकेगा। प्रदेश के 13 जिलों में 14 शक्ति सदन संचालित हैं। यहां निराश्रित, हिंसा से पीड़ित, प्राकृतिक आपदा प्रभावित और अन्य कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रही महिलाओं को आश्रय, पोषण, स्वास्थ्य, कानूनी सहायता और पुनर्वास सेवाएं दी जाती हैं। पिछले वर्ष 2,386 महिलाओं ने इन सेवाओं का लाभ लिया। मिशन वात्सल्य के तहत प्रदेश में 130 बाल देखरेख संस्थाएं संचालित हैं, जिनमें 2,377 बच्चे रह रहे हैं। इनमें 79 अशासकीय संस्थाओं को वर्तमान में अनुदान दिया जा रहा है।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्रवाई, 56 प्रकरणों में 26,600 रुपये जुर्माना

भोपाल। नगर निगम ने साफ-सफाई व्यवस्था में बाधा डालने और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 56 प्रकरणों में 26 हजार 600 रुपये का स्पॉट फाइन वसूला। इनमें इंद्रपुरी बी सेक्टर स्थित वाइन शॉप संचालक पर गंदगी और सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर मंगलवार को जोन क्रमांक 14 और 15 के अमले ने विभिन्न दुकानों और क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी, सीएंडडी वेस्ट फैलाने, थूकने, कचरा पृथक्कीकरण नहीं करने और सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल के मामलों में कार्रवाई की गई। वाइन शॉप सहित कुल 56 प्रकरणों में 26,600 रुपये की राशि वसूली गई। निगम अमले ने नागरिकों और दुकानदारों को सिंगल यूज प्लास्टिक, डिस्पोजल और पानी के पाउच का उपयोग नहीं करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फेंकने की समझाइश दी।

मनमोहक गणेश

भोपाल के कोलार क्षेत्र श्री विघ्नहर्ता सेवा संगठन द्वारा भगवान गणेश जी के आगमन पर भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान भक्तों ने उत्साह और श्रद्धा के साथ प्रथम दर्शन किए! गणपति बाप्पा मोरया, मंगलमूर्ति मोरया के जयघोष से सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया।

प्रांतीय युवा एकता महाअभियान प्रदेश की बैठक संपन्न, पारस बैरागी निर्विरोध चुने गए अध्यक्ष

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

संस्था के 3 वर्ष पूर्ण होने के पश्चात अध्यक्ष एवं पदाधिकारीयों व सदस्यों की सहमति से बैठक बुलाई गई थी। बैठक में नए कार्यकाल वा सर्व समाज जन कल्याण के महत्वपूर्ण कार्यों के लिए अध्यक्ष पद के लिए पुनः श्री पारस बैरागी जी को अध्यक्ष,श्री बल्लीराम विश्वकर्मा जी को उपाध्यक्ष,श्री विनोद कुमार राठौर जी सचिव,श्री मुकेश तिवारी जी कोषाध्यक्ष, श्री योगेश शर्मा जी संयुक्त सचिव के पदों पर सभी सदस्यों की सहमति से निर्विरोध चुना गया जिसमें समस्त पदाधिकारी गण वा सदस्यगण उपस्थित रहे, बैठक की अध्यक्षता श्री राजेश शर्मा जी ने की एवं आभार श्री नितिन मिश्रा जी ने माना ' बैठक में नवनिर्वाचित पदाधिकारी व सदस्यों की सहमति से आगे के कार्यों गौ सेवा जन सेवा शिक्षा स्वास्थ्य कृषि युवा रोजगार सामाजिक एवं सांस्कृतिक उद्देश्यों के लिए संकल्प लिया और अधिक से अधिक युवाओं को संस्था के कार्यों व उद्देश्यों के विषय में जानकारी देकर संस्था से जोड़ा जाएगा।इस प्रकार की बैठकों में मुख्य रूप से युवाओं के कौशल विकास, रोजगार के नए अवसरों, शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उनकी सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया जाता है।

हज आवेदकों को राहत, दो वेटिंग लिस्ट क्लियर, 627 को मिला मौका

सेवा संकल्प अभियान को दें जनआंदोलन का स्वरूप : परमार

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

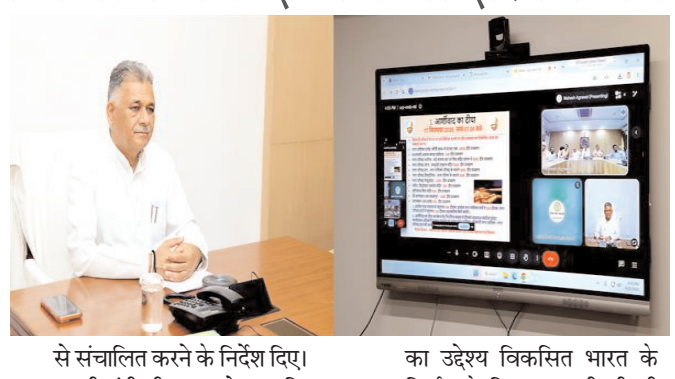

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री और दमोह जिले के प्रभारी मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने, मंगलवार को भोपाल स्थित मंत्रालय के प्रतिकक्ष से प्रभारी जिले दमोह की वर्चुअल बैठक लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों एवं प्रस्तावित गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक में मंत्री श्री परमार ने अभियान की गतिविधियों को व्यापक जनभागीदारी के साथ प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री श्री परमार ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल आयोजनों तक सीमित न रहे, बल्कि सेवा, सहभागिता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ जन-जन को जोड़ने का माध्यम बने। अभियान का उद्देश्य विकसित भारत के निर्माण के लिए जनभागीदारी की सामूहिक शक्ति का सृजन करना है। गांव से शहर और वार्ड से जिला स्तर तक नागरिकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए अभियान को व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाए। 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' के साथ रक्तदान शिविर प्रभारी मंत्री ने बताया कि 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के साथ जिले में विभिन्न जनभागीदारी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिला एवं विकासखंड स्तर पर रक्तदान शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने अधिकाधिक नागरिकों, युवाओं, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री श्री परमार ने कहा कि अभियान की प्रत्येक गतिविधि सार्थक परिणाम और व्यापक जनसहभागिता के साथ संचालित हो।

न्यूज ब्रीफ

भेड़ाघाट मोड़ पर मारपीट कर युवक से मोबाईल लूटा

जबलपुर। *तिलवारा थाना अतंर्गत लम्हेटा वायपास चौराहा में भेड़ाघाट मोड़ पर युवक के एक परिचित ने उसके साथ मारपीट कर उसका मोबाइल लूट कर ले गया तिलवारा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम तेवर भेड़ाघाट निवासी 19 वर्षीय रोहित सिंह लोधी गत शाम लगभग 7 बजे अपनी बड़ी मम्मी के घर ग्राम जोधपुर पड़ाव तिलवारा अपनी मौसी की बेटी जैसलीन को लेने आया था रात लगभग 8 बजे वह जैसलीन को उनके घर चौकीताल छोड़ने के बाद लम्हेटा वायपास चौराहा में भेड़ाघाट मोड़ पर खड़ा था लगभग 8.45 बजे उसकी पहचान का चौकीताल निवासी गोलू उर्फ अर्पित पटैल अपनी मोटर सायकल से उसके पास आया और उसकी जेब में हाथ डालकर जेब से 800 रूपये निकाल लिया, विरोध करने पर उसे चार-पॉच थप्पड़ मारा, उसने कॉल करने के लिये अपना मोबाइल निकाला तो उसे धक्का देते हुये उससे मोबाइल छीन लिया.*

प्राणघातक हमले में 2 चचेरे भाई घायल, 1 बेहोश

जबलपुर। *संजीवनीनगर थाना क्षेत्र के शांतिनगर में चार बदमाशों ने दो चचेरों भाईयों पर डंडे से प्राणघातक हमला कर दिया. इस दौरान एक युवक बेहोश हो गया. घायल युवकों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. शांतिनगर परसवाड़ा निवासी 22 वर्षीय अंकित अम्बाड़े गत देर रात लगभग 12.05 बजे सामान लेने के लिये दुकान जा रहा था जैसे ही शांतिनगर पहुँचा देखा शांतिनगर परसवाड़ा निवासी भाई नितिन चौधरी को सूरज व सूरज के पिता राजेश अहिरवार, सूरज के चाचा राहुल अहिरवार और सूरज का चचेरा भाई मोंटी अहिरवार गाली गलोज कर डंडे से मारपीट कर दी. जिससे वह बेहोश हो गया. उसका चचेरा भाई अंकित बीच बचाव करने आया तो चारों ने उसके साथ भी मारपीट कर डंडे से हमला कर घायल कर दिया.*

चलती कार में हथियार लहराना पड़ा भारी, वायरल रील ने पहुंचाया थाने

जबलपुर। *सोशल मीडिया पर लाइक और व्यूज बटोरने के चक्कर में चलती कार से हथियार का प्रदर्शन करना एक युवक को भारी पड़ गया। कार की खिड़की से चाकू और पिस्टलनुमा हथियार दिखाते हुए बनाई गई रील सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो जबलपुर पुलिस की सोशल मीडिया सेल की नजर उस पर पड़ गई। पुलिस ने कार के नंबर से युवक तक पहुंच बनाई और आखिरकार 18 वर्षीय अमन सचदेवा निवासी आलोक नगर को पकड़ लिया। पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर निगरानी के लिए गठित सोशल मीडिया सेल जिले से संबंधित वायरल गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही है। इसी निगरानी के दौरान चलती कार में शस्त्र प्रदर्शन का वीडियो सामने आया, जिसे सोशल मीडिया सेल ने वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में पहुंचाया। थाना प्रभारी अधारताल विपिन ताम्रकार के अनुसार, वीडियो में दिखाई दे रही कार के नंबर के आधार पर उसके मालिक की तलाश की गई। कार मालिक से पूछताछ में वीडियो में दिखाई दे रहे युवक की पहचान उसके बेटे के दोस्त अमन सचदेवा के रूप में हुई।*

6 साल से इंतजार, लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व का सवाल

रादुविवि में छात्रसंघ चुनाव को लेकर एक बार फिर असमंजस की स्थिति

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय सहित शहर के कॉलेजों में छात्रसंघ चुनाव को लेकर एक बार फिर असमंजस की स्थिति बन गई है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद जागी उम्मीद फिर धुंधली होती जा रही है. सितंबर का आधा महीना बीतने को है, लेकिन प्रदेश सरकार और उच्च शिक्षा विभाग की ओर से छात्रसंघ चुनाव को लेकर अब तक तस्वीर साफ नहीं हुई है। ऐसे में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से जुड़े हजारों विद्यार्थियों के बीच यह सवाल उठने लगा है कि आखिर कैंपस में छात्रसंघ चुनाव कब होंगे। लगातार करीब छह साल से नियमित छात्रसंघ चुनाव नहीं होने के कारण विश्वविद्यालय और उससे जुड़े कॉलेजों में छात्र राजनीति का स्वरूप भी बदल गया है। हर नए शैक्षणिक सत्र के साथ छात्र संगठनों और संभावित छात्र नेताओं में चुनाव की उम्मीद जगती है, लेकिन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाने से यह उम्मीद फिर ठंडी पड़ जाती है। छात्रसंघ चुनाव को लेकर इस बार भी सितंबर में प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही थी। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से 10 सितंबर तक स्थिति स्पष्ट होने की चर्चाओं के बीच रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय और इससे जुड़े कॉलेजों के विद्यार्थियों की नजर सरकार के फैसले पर थी।लेकिन 10 सितंबर की समयसीमा गुजरने के बाद भी चुनाव कार्यक्रम को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हुई। इससे छात्र संगठनों में नाराजगी बढ़ने लगी है। संगठनों का कहना है कि यदि चुनाव कराने हैं तो सरकार को स्पष्ट कार्यक्रम घोषित करना चाहिए और यदि चुनाव नहीं कराने हैं तो उसकी वजह भी सार्वजनिक करनी चाहिए। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर ही नहीं, बल्कि आसपास के कई क्षेत्रों के उच्च शिक्षा संस्थानों के विद्यार्थियों से जुड़ा प्रमुख विश्वविद्यालय है। यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए फीस, परीक्षा, परिणाम, छात्रवृत्ति, हॉस्टल, पुस्तकालय, परिवहन, प्रवेश प्रक्रिया और शैक्षणिक सुविधाओं जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में छात्र संगठनों का मानना है कि इन मुद्दों को विश्वविद्यालय प्रशासन के सामने प्रभावी ढंग से रखने के लिए निर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों की जरूरत है। फिलहाल छात्र अपनी समस्याओं को संगठनों, ज्ञापनों और आंदोलनों के माध्यम से उठाते हैं। लेकिन छात्र संगठनों का तर्क है कि आंदोलन और ज्ञापन अपनी जगह हैं, जबकि निर्वाचित छात्रसंघ विद्यार्थियों को औपचारिक और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व देता है। छात्रसंघ चुनाव लंबे समय से नहीं होने का असर छात्र राजनीति की नई पीढ़ी पर भी पड़ा है। वर्तमान में विश्वविद्यालय और कॉलेजों में पढ़ने वाले बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने अपने कैंपस में छात्रसंघ चुनाव होते हुए देखा ही नहीं है। जो विद्यार्थी आज छात्र राजनीति में सक्रिय हैं, उनके सामने भी चुनाव लड़कर सीधे विद्यार्थियों से जनादेश लेने का अनुभव नहीं है। ऐसे में छात्र संगठनों के सामने यह चुनौती है कि वे बिना निर्वाचित प्रतिनिधित्व के विद्यार्थियों के बीच अपनी स्वीकार्यता कैसे बनाए रखें। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से जुड़े विद्यार्थियों के बीच समय-समय पर विभिन्न छात्र समस्याएं सामने आती रही हैं। परीक्षा और परिणाम से लेकर प्रवेश, छात्रवृत्ति, हॉस्टल और विश्वविद्यालय की व्यवस्थाओं तक कई विषय विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण रहते हैं। इन मुद्दों पर छात्र संगठन आवाज उठाते हैं, लेकिन निर्वाचित छात्रसंघ नहीं होने के कारण विद्यार्थियों का प्रतिनिधित्व किसी एक आधिकारिक छात्र निकाय के माध्यम से नहीं हो रहा है।

नौ माह की गर्भवती महिला को सुरक्षित उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

रेल यात्रा के बीच नौ माह की गर्भवती महिला को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई तो परिवार की चिंता बढ़ गई। ऐसे मुश्किल वक्त में 'रेल मदद 139' उम्मीद की किरण बना। सूचना मिलते ही जबलपुर रेल मंडल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बिना समय गंवाए मोर्चा संभाला और सतना स्टेशन पर महिला के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता की व्यवस्था कर उसे सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया। मामला ट्रेन संख्या 11055 का है। कल्याण से मोहम्मदाबाद की यात्रा कर रहीं 27 वर्षीय रेशमा बी-1 डिब्बे की बर्थ क्रमांक 66 पर यात्रा कर रही थीं। नौ माह की गर्भवती रेशमा को रास्ते में अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। इसकी सूचना रेल मदद 139 के माध्यम से रेलवे तक पहुंची। सूचना मिलते ही सतना स्टेशन के उप स्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) सक्रिय हुए और ट्रेन के स्टेशन पहुंचने से पहले ही आवश्यक इंतजाम पूरे कर लिए गए। कुलियों की सहायता से व्हीलचेयर तैयार रखी गई। जैसे ही ट्रेन सतना स्टेशन पहुंची, महिला यात्री को उनके परिजन के साथ बेहद सावधानी से ट्रेन से उतारा गया। उन्हें प्लेटफॉर्म नंबर दो से प्लेटफॉर्म नंबर एक तक सुरक्षित पहुंचाया गया, जहां पहले से ही एम्बुलेंस क्रमांक एमपी 19 जीए 4712 तैयार थी। बिना किसी देरी के महिला को उचित उपचार के लिए जिला चिकित्सालय, सतना भेज दिया गया। रेलवे कर्मचारियों की इस तत्परता से संकट की घड़ी में महिला और उसके परिजनों को तत्काल चिकित्सा सहायता मिल सकी। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर साबित किया कि रेल यात्रा केवल यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने तक सीमित नहीं है। आपात स्थिति में रेलवे कर्मचारी किस तरह संवेदनशीलता और तत्परता के साथ यात्रियों की मदद कर सकते हैं, सतना स्टेशन की यह घटना इसका उदाहरण बन गई। परिवार के लिए वह समय बेहद चिंता और घबराहट भरा था।

बाईकर्स लफंगों के कारण महिलाएं शर्मशार, रात भर सड़कों पर होती रही लफंगाई

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

तमाम चौकसी और सतर्कता के बावजूद पुलिस रात में ढीली पड़ गई। जिसका फायदा बाईकर्स सवार लफंगों ने जमकर उठाया। रतजगा पर्व महिलाओं का था, लेकिन सड़कों पर महिलाओं से ज्यादा लफंगे घूमते नजर आए। शराब के नशे में बिना नंबरों की मोटर सायकिलों पर दो-दो, तीन-तीन लफंगे लदकर लहराते हुये मोटर सायकिलें सड़कों पर दौड़ाते रहे। चौराहों पर खड़े इक्का-दुक्का पुलिस के जवान बाईकर्स सवारों के आतंक के सामने मूकदर्शक बने बैठे रहे। गत वर्ष के कड़वे अनुभव से भी पुलिस ने सबक नहीं लिया। यदि समय रहते दो-तीन दिन पूर्व से बाईकर्स सवारों की हरकतों पर अंकुश लगाया जाता और चालानी कार्यवाही प्रारंभ की जाती तो शायद तीजा की रात बाईकर्स सवारों का आतंक नहीं मच पाता। लेकिन पुलिस की मुस्तैदी सिर्फ दिशा निर्देशों में चलती रही और नौकरी बचाओ अभियान के तहत अधिकारी गश्त की औपचारिकता करते रहे। पुलिस के जवान ड्यूटी के नाम पर तैनात रहे। लेकिन कोई रोकटोक, कोई सख्ती नजर नहीं आई। पुलिस की जीप और पुलिस के जवानों के सामने बाईकर्स सवार लहराते हुये दौड़ते रहे। कई सूनसान स्थानों पर छेड़खानी की घटनाएं भी हुईं। बाई का बगीचा, गोहलपुर, आनंद नगर, बड़ा फुहारा, कोतवाली, मिलौनीगंज, घमापुर, रामपुर की तरफ रात में बाईकर्स सवारों की बेजा हरकतों ने लोगों को शर्मशार किया।

तमरहाई चौक पर पोहा जलेबी का वितरण, तीजा व्रतधारी महिलाओं के लिए महाभंडारा

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

ऊँ श्री कुंभेश्वरनाथ मंदिर तमरहाई चौक द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 15 सितंबर 2026 को महाभंडारे का आयोजन किया सुबह 4.00 बजे से प्रारंभ किया गया, जिसमें महाभंडारे में 11 क्विंटल शुध्द घी की जलेबी और 11 क्विंटल पोहा का महाप्रसाद के रूप में वितरण किया। यह महाभंडारा हरितालिका तीज (तीजा) के अखण्ड व निंजला व्रतधारी महिलाओं के उपवास खोलने के लिए किया गया। अखण्ड व्रत रखकर रत जगा करने वाली महिलाऐं युवतियों को तीजा के दूसरे दिन ब्रम्ह मुहूर्त में इसी महाप्रसाद से अपना व्रत खोला। ऊँ श्री कुंभेश्वरनाथ मंदिर विगत कई वर्षों से तीजा पर विशाल भंडार आयोजित करता चला आ रहा है जिसमें सुबह 4.00 बजे से व्रतधारी महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी शहर के विभिन्न इलाकों से महिलाएं युवती महाभंडारे में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करती रही और अपना अखण्ड व्रत खोलती रही। भीड़ को देखते हुए प्रसाद वितरण के लिए अधिक से अधिक काउंटर लगाये गये। ताकि सभी को आसानी से महाप्रसाद मिल सकें। 50 हजार से 60 हजार के बीच महिलाओं ने प्रसाद ग्रहण किया। ऊँ श्री कुंभेश्वरनाथ मंदिर इस भंडारे के लिए तीजा से करीब एक सप्ताह पूर्व तैयारियां शुरू कर दी गई थी। शुध्द घी से बनने वाली जलेबिया के लिए शुध्द घी भी ऊँ श्री कुंभेश्वरनाथ मंदिर शुध्द व ताजे दूध से बनवाता है। महाप्रसाद की संपूर्ण सामग्री शुध्द व उच्च गुणवत्ता की रहती है। शहर के एक सैकड़ा हलवाईयों की टीम इस महाप्रसाद को तैयार करती है।

गणेश उत्सव पर्व की धूम शुरू, साज-सज्जा के बीच प्रतिमाओं की स्थापना

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

शहर में गणेश उत्सव की धूम शुरू हो गई है7 इस धार्मिक महापर्व का आज तीसरा दिन है। सड़कों पर गणेश उत्सव समितियों द्वारा साज-सज्जा की तैयारियां की जा रहीं हैं। गणेश पंडालों में साज सज्जा को अंतिम रूप दिया जा रहा है। किसी भी तरह से मेहनत करके समिति के कार्यकर्ता एक से बढ़कर एक सजावट और झांकियां बनाने में लगे हैं। अनेक स्थानों पर गणेश प्रतिमाओं की स्थापना भी कर दी गई है। वहीं कई पंडालों में स्टेज को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सुबह-शाम गणेश पंडालों में ''जय गणेश, जय गणेश देवा'' की गूंज सुनाई देने लगी है। हर तरफ गणेश उत्सव की तैयारियां चरमोत्कर्ष पर है। अगले दो-चार दिनों में जब साज-सज्जा के साथ-साथ गणेश प्रतिमाओं की स्थापना का काम पूरा होगा तब गजानन के दर्शनार्थ सड़कों पर भीड़ प्रारंभ हो जाएगी। शहर में श्री साई गणेश उत्सव समिति छोटी महाकौशल स्कूल, महाराष्ट्र मंडल, महाराष्ट्र स्कूल, त्रिमूर्ति कला मंदिर साठियां कुआं, संस्कार सेवा समिति मालवीय चौक में विशाल और आकर्षक गणेश प्रतिमाओं की स्थापना कर दी गई है। अंकुर युवा संस्था कोतवाली के अलावा उपनगरीय क्षेत्र सदर, गोरखपुर में अभी गणेश पंडालों की साज सज्जा का काम चल रहा है।

रंगदारी वसूलने मारपीट की 2 वारदातें, युवती सहित 7 घायल

जबलपुर। मदनमहल और गढ़ा थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर बदमाशों ने युवकों के साथ मारपीट कर दी. इस दौरान . लोग घायल हो गए जिनमें एक युवती भी शामिल हैं. मदनमहल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार आमनपुर पटेल मोहल्ला निवासी 21 वर्षीय ईशांत सिंह पटेल गत देर रात लगभग 3 बजे अपने घर के पास दोस्त आयुष शर्मा, अभिषेक सोनी, राजा रावत, रोहित यादव और अमन के साथ खड़े होकर गणेश मूर्तियां देख रहा था, उसी समय कुलियाना मोहल्ला निवासी साहिल झारिया, हिमांशु गोटिया, आर्यन यादव, जतिन झारिया अपने अन्य साथियों के साथ आये और उससे शराब पीने के लिये पैसों की मांग करने लगे, मना करने पर मारपीट की और हिमांशु गोटिया ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया. आवाज सुनकर परिवार के लोग आए तो सभी ने रोड किनारे पत्थर उठाकर फेंककर मार दिए जिससे ईशांत, दोस्त आयुष शर्मा तथा परिवार के रेखा शर्मा व मनीषा सोंधिया घायल हो गए। इसी तरह गढ़ा में शारदा चौक निवासी 26 वर्षीय यश केवट गणेश उत्सव समीति शक्तिनगर में सदस्य है. मंगलवार की सुबह लगभग 3.30 बजे गणेश प्रतिमा गोरखपुर से लेकर शक्ति नगर पंडाल में स्थापित कर रहे थे तभी मोहल्ले के मोंटी दुबे, यश दुबे एवं हर्ष तिवारी तीनों पंडाल के पास आए और उससे शराब पीने के लिये 500 रूपये की मांग करने लगे, मना करने पर गालीगलौज व मरपीट कर दी और मोन्टी ने लकड़ी के बत्ते से हमला कर दिया. वहीं बीच बचाव करने आए राधे शर्मा पर भी उसी लकड़ी के बत्ते से हमला कर दिया।

जीसीएफ में अधिकारी से सुरक्षा गार्ड के दुर्व्यवहार पर कार्रवाई की मांग

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

गन कैरिज फैक्ट्री के मुख्य द्वार पर कार्यरत कनिष्ठ कार्य प्रबंधक एवं सुरक्षा अधिकारी रणजीत प्रजापति के साथ 14 सितंबर को निजी सुरक्षा गार्ड द्वारा कथित मारपीट और दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। घटना को लेकर भारतीय आयुध कारखाना राजपत्रित अधिकारी संघ की गन कैरिज फैक्ट्री शाखा ने गंभीर चिंता जताते हुए फैक्ट्री प्रबंधन से निष्पक्ष जांच और दोषी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। घटना के संबंध में संघ के सचिव देवेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने 15 सितंबर को गन कैरिज फैक्ट्री के मुख्य महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पूरे घटनाक्रम की गंभीरता से जांच कर वास्तविक तथ्यों को सामने लाने तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की गई। संगठन का कहना है कि कारखाने में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करना प्रबंधन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसलिए ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार और सुरक्षा कर्मियों को उनके दायित्वों एवं आचरण के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए जाने चाहिए। ज्ञापन सौंपने के दौरान रघुनंदन पटेल, प्रवीन मिश्रा, दीपक भट्ट सहित भारतीय आयुध कारखाना राजपत्रित अधिकारी संघ के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

व्यापारियों ने भरी एकजुटता की हुंकार

कैट की बैठक में मंथन: संगठन को मजबूत बनाने और चुनौतियों से निपटने का आह्वान

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

त्योहारों का सीजन जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे बाजारों में व्यापारिक गतिविधियां भी तेजी से बढ़ने लगी हैं। इस अहम समय में व्यापारियों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों और समस्याओं से सामूहिक रूप से निपटने के लिए संगठन की मजबूती को सर्वोपरि बताते हुए अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) ने व्यापारियों से एकजुट होने का जोरदार आह्वान किया है। कटनी स्थित होटल बृजवासी रॉयल में कैट जिला कटनी की ओर से एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन का विस्तार करना, नई कार्यकारिणी का गठन करना और व्यापारी हितों से जुड़े तमाम मुद्दों पर विस्तार से मंथन करना था। इस महत्वपूर्ण बैठक में कैट के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र पचौरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश मंत्री आशीष गुप्ता ने की। इसके अलावा, प्रदेश उपाध्यक्ष संदेश जैन, संभागीय अध्यक्ष दीपक सेठी और संभागीय महामंत्री राजा सराफ ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि आज के दौर में व्यापारियों के सामने कई प्रकार की व्यावसायिक चुनौतियां खड़ी हैं। ऐसे समय में व्यक्तिगत स्तर पर समस्याओं का समाधान तलाशने के बजाय, सभी व्यापारियों को एक मंच पर संगठित होकर अपनी आवाज को मजबूती से उठाना होगा। वक्ताओं का स्पष्ट मत था कि 'व्यापारी एकता ही व्यापारिक शक्ति है' और संगठन की मजबूती ही हर समस्या के समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। बैठक के दौरान व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं के त्वरित निराकरण, उनके हितों से जुड़े विषयों और संगठन को जिला स्तर पर और अधिक सक्रिय व सशक्त बनाने पर गहन विचार-विमर्श किया गया। साथ ही, अधिक से अधिक व्यापारियों को कैट परिवार से जोड़ने की मुहिम पर भी विशेष जोर दिया गया। इस पूरी बैठक का कुशल संचालन बालमुकुंद गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर कटनी और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से सुरेश सोनी, आशीष जैन, विपिन सोनी,नीरज चौदहा, सुधीर कनकने, श्रीकांत गट्टानी, विजय पटेल, सुकांत गुप्ता, आशीष सोनी और सचिन गुप्ता समेत कई गणमान्य व्यापारी शामिल थे।

संपादकीय

ईरानी परमाणु बम के ऊहापोह

जब नई दिल्ली ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में एकतरफा युद्ध और आर्थिक प्रतिबंधों के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया जा रहा था, तब अमरीकी कांग्रेस (संसद) में प्रतिबंध संबंधी बिल पर चर्चा की जा रही थी। तभी राष्ट्रपति ट्रंप ने संभावना जताई कि ईरान युद्ध अमरीकी मध्यावधि चुनाव (मिड टर्म पोल) के बाद तक खिंच सकता है! वैसे ट्रंप इसे ह्ययुद्धह्न नहीं मानते। यह भी अजीब मान्यता है। बहरहाल उनका मानना है कि चुनावों के बाद ही जंग समाप्त हो सकती है! उसी दौरान अमरीकी सेना ने होर्मुज के पास और तेहरान में आईआरजीसी के मुख्यालय पर हवाई हमले किए। उनमें कुछ सैनिकों के हताहत होने की भी खबर सामने आई है। हमलों की इंतहा के मद्देनजर कुछ ईरानी सांसदों ने कहा कि अब परमाणु बम बनाने का वक्त आ गया है। संसद में प्रस्ताव पेश कर परमाणु नीति में संशोधन पर चर्चा कराई जाए। हालांकि दिल्ली ब्रिक्स सम्मेलन के इतर एक टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार के दौरान ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने सवाल की प्रतिक्रिया में सवाल किया कि ईरान में परमाणु बम बनाने के कोई सबूत अमरीका या इजरायल दे सकता है क्या? ईरान की नीति और सोच परमाणु बम बनाने की नहीं रही है। यह फिजूल का आरोप ईरान पर चस्पां किया जाता रहा है, ताकि हम पर हमला किया जा सके। राष्ट्रपति ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी बार-बार बयान देते रहे हैं कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे। इसी मकसद से 28 फरवरी को दोनों देशों ने ईरान पर साझा हमला किया था, लेकिन वे अभी तक परमाणु कार्यक्रम की थाह भी नहीं ले सके हैं। यदि ईरान परमाणु शक्ति वाला देश होता, तो वह खामेनेई से फोन पर बात करते, हमले नहीं करते।

यह राष्ट्रपति ट्रंप का ताजातरीन बयान है। रक्षा विशेषज्ञ भी ऊहापोह में हैं कि ईरान परमाणु बम बनाने की स्थिति में है अथवा नहीं! परमाणु विज्ञानी मानते हैं कि ईरान के पास इतना सवंर्धित यूरेनियम है कि वह एक सप्ताह में ही करीब 10 छोटे परमाणु बम बना सकता है! ऐसे बम भी हिरोशिमा-नागासाकी जैसे विध्वंसक, संहारक बम होते हैं। राजनयिकों और रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जिस दिन ईरान ने छोटे परमाणु बम भी बना लिए, उसी दिन से इजरायल के अस्तित्व की उलटी गिनती शुरू हो जाएगी। कुछ विशेषज्ञों का तो यहां तक दावा और विश्लेषण है कि राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध के चक्रव्यूह में इतना फंस चुके हैं और गहरे तनाव की स्थिति में बताए जाते हैं, लिहाजा वह किसी भी दिन, किसी भी पल, ईरान पर टेक्टिकल परमाणु हमले का आदेश दे सकते हैं। कितना विनाश, कितनी तबाही होगी! लाशों के अंबार लग जाएंगे! समंदर का पानी विषाक्त हो जाएगा! तेल के कुएं बर्बाद हो जाएंगे! क्या ट्रंप की सनक और जिद इस पराकाष्ठा तक भी पहुंच सकती है? हमें तो कमोबेश ऐसा आभास नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) भी संयुक्त राष्ट्र तक गई है, क्योंकि वह ईरान की परमाणु गतिविधियों का यथार्थ जानने में अक्षम और असमर्थ है, क्योंकि ईरान ने उसके निरीक्षण, जांच-पड़ताल को नकार दिया है। यह तभी हो गया था, जब 2025 में अमरीकी बॉम्बर ने बंकर फोडू बमों से उसके परमाणु ठिकानों पर हमले किए थे। आईएईए और खुफिया रपटों के मुताबिक, इसके पुख्ता सबूत नहीं हैं कि ईरान के पास वर्तमान में, पूरी तरह से तैयार, परमाणु बम है या उसका हथियारबंद डिजाइन है। उपग्रह की तस्वीरों से संकेत मिले हैं कि ईरान भूमिगत ठिकानों (पिकएक्स माउंटेन क्षेत्र) में अपने बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहा है, जिससे पश्चिमी देशों और विशेषज्ञों की चिंताएं बढ़ गई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ईरान राजनीतिक निर्णय लेता है, तो वह बहुत कम समय (कुछ हफ्तों या महीने भर) में परमाणु हथियार के लिए आवश्यक विखंडनीय सामग्री तैयार कर सकता है। बहरहाल अभी तक सब कुछ अटकलें ही लगता है। ईरान परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का सदस्य है। यदि वह परमाणु बम बनाने के करीब है, तो जाहिर है कि वह इस संधि से बाहर भी आएगा। ब्रिक्स घोषणा-पत्र में परमाणु खतरे और संघर्ष के जोखिमों को भी शामिल किया गया है। क्या यह दस्तावेज सार्थक होगा? ट्रंप इसे क्यों मानेंगे? वैश्विक आर्थिकी को इस वक्त जो नुकसान झेलना पड़ रहा है, उसकी क्षतिपूर्ति में वर्षों का समय लगेगा।

एक स्वास्थ्य, एक भविष्य: स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद

श्री प्रतापराव जाधव

(लेखक केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं)

दुनिया अब सेहतमंद होने के मायने पर नए सिरे से सोच रही है। आज स्वास्थ्य-देखभाल का मतलब सिर्फ.बीमारी का इलाज करना नहीं है; बल्कि इसका मकसद बीमारियों को रोकना, तंदुरुस्ती को बढ़ावा देना और ऐसी स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करना है, जो बदलती जीवनशैली, पर्यावरण के दबाव और नई स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर सके। इस बदलते परिदृश्य में, आयुर्वेद भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण दृष्टि की पेशकश करता है। 11वें आयुर्वेद दिवस की थीम, ₹स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद₹ और ₹एक स्वास्थ्य, एक भविष्य₹ का विजन इस विचार को बहुत खूबसूरती से पेश करता है। यह हमें याद दिलाता है कि मानव स्वास्थ्य का कोई अलग-थलग अस्तित्व नहीं होता। लोगों, समुदायों, पशुओं और पर्यावरण का स्वास्थ्य आपस में गहराई से जुड़े होते हैं।

आयुर्वेद ने हमेशा बीमारी से बचाव, संतुलित जीवन, सही खान-पान, दैनिक दिनचर्या और प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने पर बहुत जोर दिया है। ऐसे समय में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, उपापचय विकार, तनाव और दूसरी गैर-संक्रामक बीमारियाँ समाज पर बोझ बढ़ा रही हैं, ये सिद्धांत और भी ज्यादा प्रासंगिक हो गए हैं। लेकिन आयुर्वेद को आगे ले जाने का मतलब सिर्फ.पीछे मुड़कर देखना नहीं हो सकता। इसके भविष्य को शोध, साक्ष्यों, नवाचार और गुणवता के जरिए आकार दिया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना हमारी ज़िम्मेदारी है कि आयुर्वेद से जुड़े ज्ञान का अध्ययन आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों से हो और उसे ऐसे समाधानों में बदला जाए, जो आज की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करते हों।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने इस यात्रा को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। 2014 में आयुष मंत्रालय की स्थापना; आयुर्वेद और अन्य आयुष प्रणालियों को एक मजबूत संस्थागत आधार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। तब से, इसका दायरा संरक्षण और प्रचार-प्रसार से बढ़कर शोध, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल सुविधा, गुणवत्ता आश्वासन, नवाचार और वैश्विक सहयोग तक विस्तृत हो गया है। स्वास्थ्य देखभाल को असल में मरीज की जरूरतों पर केंद्रित होना चाहिए। जहां उपचार उपयुक्त और साक्ष्य समर्थित हो, वहाँ विभिन्न स्वास्थ्य प्रणालियाँ एक-दूसरे की पूरक बन सकती हैं और स्वास्थ्य के प्रति व्यापक दृष्टिकोण में योगदान दे सकती हैं। जन स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में आयुष सेवाओं का एकीकरण और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का विस्तार, रोकथाम और समग्र स्वास्थ्य सेवा को ज्यादा सुलभ बनाने के हमारे संकल्प को प्रतिबिंबित करते हैं।

भारत आयुर्वेद को दुनिया तक भी पहुँचा रहा है। आयुर्वेद दिवस के पिछले आयोजनों ने दिखाया है कि स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति भारत के नजरिए को दुनिया भर में कैसा समर्थन मिल सकता है। आयुर्वेद दिवस ने भारत की स्वास्थ्य परंपराओं के लिए एक वैश्विक अवसर का निर्माण किया है और आयुर्वेद तेजी से कल्याण, रोकथाम और सतत स्वास्थ्य सेवा पर होने वाली अंतरराष्ट्रीय बातचीत का हिस्सा बन रहा है।

इस बढ़ती वैश्विक रुचि के साथ एक उतनी ही महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी भी आती है। आयुर्वेद को विश्वसनीय शोध, नैदानिक सबूतों, मजबूत गुणवत्ता मानकों और ज़िम्मेदार संचार का समर्थन मिलना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय सहयोग, आयुष शैक्षिक विभाग, नैदानिक शोध और विनियामक तालमेल की दिशा में किए जा रहे प्रयास भारत से बाहर आयुर्वेद के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम बनाने में मदद कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य सिर्फ.इसकी वैश्विक पहुँच का विस्तार करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि इस विकास के साथ भरोसा और वैज्ञानिक विश्वसनीयता भी जुड़ी हो।

₹एक स्वास्थ्य, एक भविष्य₹ का विजन हमें अस्पतालों और दवाओं से आगे ले जाता है। एक स्वस्थ भविष्य हमारे पर्यावरण, हमारे खान-पान और उन प्राकृतिक संसाधनों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है, जिन पर स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियां निर्भर करती हैं। उदाहरण के लिए, औषधीय पौधे स्वास्थ्य सेवा को कृषि, आजीविका और जैव विविधता से जोड़ते हैं। उनकी स्थायी खेती से किसानों के लिए आर्थिक अवसर पैदा हो सकते हैं और साथ ही कीमती प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में भी योगदान मिल सकता है।

प्रौद्योगिकी भी एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकती है। आज भारत के पास अपने व्यापक आयुर्वेदिक ज्ञान को आधुनिक शोध क्षमताओं, डिजिटल तकनीक, डेटा विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते उपायों के साथ जोड़ने का मौका है। यह संयोजन शोधकताओं को पारंपरिक तरीकों का ज्यादा सटीकता से अध्ययन करने और नवाचार के नए अवसरों को सामने लाने में मदद कर सकता है। फिर भी, सबसे महत्वपूर्ण बदलाव लोगों के जीवन में आना चाहिए।

आयुर्वेद दिवस को केवल साल में एक बार मनाया जाने वाला आयोजन बनकर नहीं रहना चाहिए। इसे हमारे घरों, स्कूलों, कार्यस्थलों और समुदायों में स्वस्थ जीवन शैली आधारित एक व्यापक अभियान को बढ़ावा देना चाहिए। हम क्या खाते हैं, हम कितने सक्रिय रहते हैं, हम तनाव का प्रबंधन कैसे करते हैं और हम अपने पर्यावरण के साथ कितनी ज़िम्मेदारी से व्यवहार करते हैं, ये सभी हमारे समाज के स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। इस यात्रा में युवा पीढ़ी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। आयुर्वेद को सिर्फ. भारत की विरासत के तौर पर ही नहीं, बल्कि शोध, नवाचार, उद्यमिता और स्वास्थ्य सेवा के ऐसे क्षेत्र के तौर पर पेश किया जाना चाहिए, जो भविष्य की चुनौतियों को हल करने में योगदान दे सकता हो।

आज भारत ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के एक अनोखे संगम पर खड़ा है। हमारे पास इन ताकतों को एक साथ लाने का अवसर है, ताकि स्वास्थ्य सेवा का ऐसा तरीका विकसित किया जा सके, जो इलाज के साथ-साथ बीमारी से बचाव, बीमारी के प्रबंधन के साथ-साथ आरोग्यता और विकास के साथ-साथ स्थायित्व को भी महत्व देता हो। आयुर्वेद का भविष्य अंततः इस बात से निर्धारित होगा कि हम इस पर कितना अच्छा शोध करते हैं, सबूतों के आधार पर इसे कितना मजबूत बनाते हैं, इसकी गुणवता को कैसे सुनिश्चित करते हैं और इसके फायदों को लोगों तक कैसे पहुँचाते हैं।

संकल्प से सिद्धि तक: नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की राष्ट्रसेवा यात्रा

सुरेश पचौरी

(लेखक भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री हैं)

नये भारत के शिल्पकार श्री नरेन्द्र मोदी अपनी अनवरत जनसेवा व राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। यह यात्रा 7 अक्टूबर, 2001 को शुरू हुई थी, जब उन्होंने 12 वर्ष 7 माह तक गुजरात के सफल मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री के रूप में प्रथम बार शपथ ली। तब से लेकर आज तक उन्होंने ₹जनसेवा से राष्ट्रसेवा₹ के मंत्र को जी कर दिखाया है और उनकी इस यात्रा की गति न धीमी हुई और न रूकी, बल्कि कीर्तिमान स्थापित करते हुये सतत जारी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 17 सितम्बर, 2026 को अपने जीवन के 75 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी उनके जन्म दिवस पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' प्रारंभ करने जा रही है, जब उनके सुशासन के 25 वर्ष पूरे होंगे। 12 वर्ष 7 माह तक गुजरात के मुख्यमंत्री और कमोबेश इतनी ही अवधि के उनके प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल पर दृष्टिपात करें तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि उन्होंने जनसेवा का कीर्तिमान और प्रतिमान रच दिया। गुजरात के मेहसाणा जिले के एक छोटे से गांव बड़नगर से शुरू हुई उनकी जीवन यात्रा में आए तमाम उतार-चढ़ाव के बीच लगन, निष्ठा, परिश्रम, त्याग, दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रप्रेम के चलते वे भारतीय राजनीति के शलाका पुरुष बन चुके हैं। वे आज सिर्फ भारत के प्रधानमंत्री के रूप में ही नहीं जाने-पहचाने जाते, वरन आज वे विश्व के अग्रणी शीर्ष नेताओं में शुमार हो चुके हैं। श्री नरेन्द्र मोदी को 36 देशों ने अपने सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किया है। वे ऐसे तपे-तपाए जननेता हैं, जिनमें कुंदन की कठोरता भी है और चंदन की शीतलता भी विद्यमान है। उनके चिंतन में राष्ट्र, राष्ट्रबोध एवं राष्ट्रहित सर्वोपरि है और इसी उदात्त भावना से ओतप्रोत होकर उन्होंने किशोरावस्था में अपना घर-द्वार छोड़कर जनसेवा की ओर जो कदम बढ़ाए, वे आज तक नहीं रुके।

उन्होंने दशकों से लंबित फैसलों को पूरा किया - चाहे धारा 370 की समाप्ति हो, भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण हो या सीमाओं की अभेद्य सुरक्षा हो। विज्ञान के क्षेत्र में चंद्रयान-3 की सफलता से लेकर मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत तक, उनके हर कदम ने भारत को सशक्त बनाया है। स्वच्छ भारत से जल जीवन मिशन तक, उज्जवला योजना से आयुष्मान भारत तक, किसान सम्मान निधि से लखपति दीदियों की आत्मनिर्भरता तक - हर योजना का एक ही ध्येय रहा है कि सबका जीवन बेहतर हो, भारत समर्थ बने। ये 25 वर्ष सिर्फ सत्ता के नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के विश्वास और एक दूरदर्शी नेता के तप, त्याग और नेतृत्व की गाथा है।

प्रधानमंत्री के रूप में विगत लगभग साढ़े बारह वर्षों के दौरान मोदी जी ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन कार्ययोजनाओं को अमली जामा पहनाया, जिसका भाजपा ने चुनाव घोषणा पत्र में वादा किया गया था। चाहे वह सामाजिक-आर्थिक बदलाव हों, चाहे प्राकृतिक संसाधनों, खनिजों, सांस्कृतिक धरोहरों आदि का संरक्षण हो या फिर देश के किसानों के कल्याण के लिए कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था हो, सब पर विशेष ध्यान दिया गया। मोदी जी के मार्गदर्शन में युवाओं में नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ाने के लिए स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और डिजिटल स्किल इंडिया जैसी योजनाओं का सूत्रपात हुआ है।

श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में प्रगति की रफ्तार दिन-ब-दिन बढ़ती नजर आ रही है। आम आदमी के जीवन में खुशहाली आई, समाज के कमजोर वर्गों के लोगों

के जीवन में सुधार आया, दुनिया में भारत के मान-सम्मान में वृद्धि हुई, पड़ोसी देश पाकिस्तान को ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान मुंह की खानी पड़ी। श्री मोदी देश हित में इतने दृढ़प्रतिज्ञ हैं कि दुनिया की कोई ताकत आज तक उन्हें अपने सिद्धांतों से न तो डिगा सकी है और न ही झुका सकी है। उनका यह आत्मबल न सिर्फ करोड़ों भारतवासियों बल्कि विश्व के दीगर मुल्कों में रहने वाले भारतवासियों को संबल प्रदान करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। हमारी जीडीपी वृद्धि दर भी 7.8% है। रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। देश विरोधियों और भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति परिणाममूलक है।

प्रधानमंत्री ने सरकार की योजनाओं के केन्द्र बिन्दु में हमेशा ह्यआम आदमीह्न को रखा। इस सोच के साथ गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। मसलन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के करोड़ों परिवारों को पक्के घर दिए गये। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लाखों शौचालयों का खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कराया गया। उज्जवला योजना के माध्यम से गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा की गई। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के मद्देनजर आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई, जिससे लगभग 60 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य बीमा का सुरक्षा कवच मिला। जल जीवन मिशन से हर घर को नल से जल उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया जा रहा है। आधारभूत संरचना की बात की जाये तो प्रधानमंत्री ने इसे राष्ट्र की रीढ़ मानते हुए इसमें भारी निवेश किया। सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और डिजिटलीकरण में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है। ग्रामीण भारत में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में मेट्रो और स्मार्ट सिटी जैसी योजनाएं मूर्तरूप ले रही हैं।

कर्मयोगी श्री नरेन्द्र मोदी ने अपना जीवन 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के भाव को चरितार्थ करते हुए राष्ट्र को समर्पित कर दिया है। वे 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' का संकल्प लेकर भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में अहर्निश लगे हुए हैं। मोदी जी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार का सिद्धांत है- रिफार्म, परफार्म एवं ट्रांसफॉर्म। प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत की गई। पिछले साढ़े 12 वर्षों में यह अभियान एक जन आंदोलन बन गया है। साथ ही उज्जवला योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत करोड़ो लोग लाभान्वित हुये हैं। प्रधानमंत्री जी ने गरीबों के सम्मान, युवाओं के सामर्थ्य, किसानों की समृद्धि व महिलाओं के सशक्तिकरण को राष्ट्र निर्माण का विशेष आधार बनाया।

श्री मोदी ने अपने विजन में अन्नदाता किसान को सदैव अपनी प्राथमिकता में रखा। उन्होंने किसानों की आर्थिक दशा सुधारने के लिए अनेक योजनाओं का प्रावधान किया। उनकी सोच बहुत स्पष्ट है कि कृषि आजीविका का साधन मात्र न रहे, बल्कि यह लाभ का व्यवसाय बने। फिलहाल किसानों के सम्मान स्वरूप उन्हें दी जाने वाली प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से सालाना 6 हजार रुपए की सीधी सहायता दी जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन बहुत साफ है कि किसानों को उनकी पैदावार का सही दाम मिले। इस बाबत फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में रिकार्ड बढ़ोत्तरी की। पीएम फसल बीमा योजना एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएमआरकेवाई) से अन्नदाता लाभान्वित हो रहे हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, परम्परागत कृषि विकास योजनाओं जैसी जनहितैषी पहल से उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार हुआ है। श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में रेल नेटवर्क का व्यापक ऐतिहासिक उपलब्धि सहित विस्तार हो रहा है।

महिला सशक्तिकरण मोदी सरकार के विकास एजेंडे का प्रमुख हिस्सा है। मातृवंदन योजना, नारी शक्ति वंदन और 33 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद जगी है। केन्द्र सरकार का लक्ष्य तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का है, जिनमें से लगभग डेढ़ करोड़ लखपति दीदी अपना गरिमामय जीवन जी रही हैं। 'बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ' अभियान से बेटियों का आत्मसम्मान बढ़ा है। तीन तलाक कानून की समाप्ति से मुस्लिम महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने देश में लगभग 2 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले हैं। कोरोना काल में प्रधानमंत्री जी ने स्वदेशी वैक्सीन के आविष्कार में प्रेरक भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना 'संकल्प विरासत का, संरक्षण भी और विकास भी' के परिणाम स्वरूप अयोध्या में रामलला की दिव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। काशी में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल लोक, केदारनाथ धाम का नवनिर्माण, बद्रीनाथ क्षेत्र का विकास, करतार साहब कॉरिडोर को खुलवाना, हेमकुण्ड साहब और गिरनार में रोपवे बनाना, नमामि गंगे योजना, तिरुवल्लूर में कल्चरल सेन्टर बनाना आदि उल्लेखनीय कार्यों से भारत आत्मगौरव के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में स्वदेशी चिंतन आधुनिक देश की आर्थिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चिंतन का आधार बन रहा है। कुल मिलाकर हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से भारत तरक्की के नये सोपान नापते हुए आगे बढ़ रहा है, साथ ही पूरी तरह सुरक्षित भी है। आज जिस बढ़ते भारत को भारतवासी देख रहे हैं, वह संकल्प से सिद्धि का सुफल है। यह गर्व का विषय है कि वाइब्रेंट गुजरात के विजन ने देश को निवेश का मॉडल दिया और ब्रिक्स 2026 के शिखर सम्मेलन ने भारत को विश्वगुरु के मंच पर प्रतिष्ठापित किया। श्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्रसेवा यात्रा पर विहंगम दृष्टिपात करें तो विकास से वैश्विक नेतृत्व तक भारत के कदम आगे ही बढ़ते जा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान में हिंदी दिवस मनाया गया

ग्वालियर। अटल बिहारी वाजपेयी-भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर में 14 सितम्बर 2026 को हिंदी दिवस अत्यंत उत्साह, उल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। हिंदी दिवस समारोह का उद्देश्य संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रति सम्मान, अनुराग एवं गौरव की भावना को सुदृढ़ करना तथा दैनिक शासकीय एवं अकादमिक कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करना था। समारोह के अवसर पर संस्थान के माननीय निदेशक महोदय तथा मुख्य वक्ता प्रो. राजरानी शर्मा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, के.आर. कॉलेज, ग्वालियर ने अपने प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक उद्बोधन से उपस्थित सभी अधिकारियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को अभिभूत एवं अनुगृहीत किया। अपने संबोधन में उन्होंने हिंदी भाषा की समृद्ध विरासत, वैज्ञानिक स्वरूप, व्यापक स्वीकार्यता एवं वैश्विक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए हिंदी को जन-जन की भाषा बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

कर्मचारियों के लिए 19 सितम्बर को लगेगा स्वास्थ्य शिविर

ग्वालियर। जिला न्यायालय परिसर में 'उल्लास एक अभिनव प्रयास' के तहत न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 19 सितम्बर को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर की तैयारियों के क्रम में 15 सितम्बर से न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों का रक्त परीक्षण शुरू किया गया है। रक्त परीक्षण के पहले दिन 112 न्यायिक अधिकारियों एवं न्यायालयीन कर्मचारियों का रक्त परीक्षण किया गया। रक्त परीक्षण की रिपोर्ट के आधार पर शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया जाएगा। सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर ललित किशोर के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय परिसर में यह विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित होने जा रहा है।

पुलिस ने शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया

ग्वालियर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देश पर ग्वालियर जिले में वाहन चोरी की घटनाओं की रोकथाम हेतु मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर वाहन चोरों की धरपकड़ हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में दिनांक 14.09.2026 को थाना भितरवार पुलिस को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति बागबई तरफ से चोरी की स्प्लेण्डर मोटरसायकिल लेकर भितरवार तरफ आ रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में एसडीओपी भितरवार गगन हनवत के कुषल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भितरवार उनि0 बलवीर मावई के द्वारा थाना बल की टीम को मुखबिर के बताये स्थान पर भेजा गया। पुलिस टीम ने मुखबिर के बताये स्थान पर जाकर देखा तो बागबई तरफ से मुखबिर के बताये हुये हुलिये का एक व्यक्ति एक काले रंग की एचएफ डीलक्स मोटरसायकिल से आते हुये दिखा जो पास आते ही पुलिस को देखकर गाडी वापस कर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ लिया गया।

निगमायुक्त ने समय सीमा बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

निगमायुक्त ने दिए 1 दिन के भीतर समस्याओं को सुलझाने के निर्देश

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।

सीवर, जनकार्य, पेंचवर्क, स्ट्रीट लाइट आदि से संबंधित मूलभूत सुविधाओं को लेकर प्राप्त शिकायतों का निराकरण संबंधित अधिकारी हर हाल में 24 घंटे के अंदर करें। यदि ज्यादा बडी समस्या है तो दो दिन में समस्या का निराकरण करायें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी अपर आयुक्त, उपायुक्त, अधीक्षण यंत्री एवं कार्यपालन यंत्री सहित सभी संबंधित अधिकारी प्रातः 7 बजे भ्रमण पर निकले और यह सुनिश्चित करें कि उनका पूरा अमला क्षेत्र में कार्य कर रहा है। उक्ताशय के निर्देश नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने समय सीमा की बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिए। निगम मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान निगमायुक्त अभिषेक चौधरी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके क्षेत्र में कचरे वाले जो स्पॉट है उन पर अभियान चलाकर कार्यवाही करें। इसके साथ ही स्वर्णरेखा नदी के किनारे एवं स्लोप पर जो कचरा है उसे अभियान चलाकर साफ करें और जहां जहां जालियों टूटी है उन्हें संबंधित क्षेत्राधिकारी तत्काल ठीक करायें। इसके साथ ही सीवर की मशीन की जानकारी ली जिनमें अधिकारियों द्वारा बताया गया कि 19 ठेकेदारों की एवं 13 निगम सहित कुल 32 मशीन है। जिसमें निगमायुक्त ने जानकारी ली कि किस क्षेत्र में कौनसी मशीन कार्य कर रही है। जानकारी नहीं देने पर अधीक्षण यंत्री को निर्देशित किया कि प्रतिदिन 3 बजे सभी मशीनों की जानकारी समक्ष में आकर दें और यह सुनिश्चित करें कि सभी मशीनें प्रतिदिन क्षेत्र में रहे और कार्य करें। इसके साथ ही रोड पेंच वर्क की समीक्षा करते हुए पेंच वर्क की जानकारी ली तथा निर्देष दिए कि प्रतिदिन कितनी रोडों पर पेंच वर्क करेंगे इसकी जानकारी प्रतिदिन 3 बजे आकर दें। इसके साथ ही पार्क विभाग की समीक्षा करते हुए नोडल अधिकारी पार्क को निर्देशित किया मुख्य मार्ग डिवाइडर पर पेड़ों की कटाई छटाई करें तथा यह सुनिश्चित करें कि प्रतिदिन तत्काल उनका कचरा उठे। प्रतिदिन कितनी लाइट चल रही हैं कितनी बंद हैं तथा कितनी लाइट बदली गई हैं। जिसमें उनके बल्ब ड्राइवर कितने बदले गए हैं उसकी जानकारी प्रतिदिन दें। इसके साथ ही सीएम हेल्पलाइन एंड टीएल पर आने वाली शिकायतों की समीक्षा की तथा उनके समय सीमा में निराकरण कराने के निर्देश दिए।

निगमायुक्त को निरीक्षण में मिली गंदगी, सफाई के दिए निर्देश

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

शहर की वास्तविक स्थिति को जानने के लिए नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने शहर के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें बहोडापुर क्षेत्र स्थित गरगज कॉलोनी में सीवर लाइन चोक मिली। नगर निगम आयुक्त ने तत्काल सीवर की तली झाड़ सफाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अन्य स्थानों पर गंदगी मिलने पर निगमायुक्त ने सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त प्रदीप तोमर, कार्यपालन यंत्री पवन शर्मा, सहायक यंत्री रामसेवक शाक्य, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।
नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने सुबह बहोड़ापुर क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीवर लाइनों को चेक किया, सीवर लाइनें चोक मिली, निगमायुक्त ने तत्काल पूरे क्षेत्र की सीवर लाइनों को साफ करने के निर्देष दिए हैं। साथ ही बहोड़ापुर क्षेत्र में दो स्थानों पर पानी की लाइन में दो स्थानों पर लीकेज मिले, निगमायुक्त ने तत्काल लाइनों को ठीक कर पानी के अपव्यय को रोकने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद नगर निगम आयुक्त ने बरा स्थित लैण्डफिल साइट पर बनाए गए दोनों पार्कों का निरीक्षण किया, जहां पर लोगों द्वारा पार्क के बाहर गोबर डंप किया जाता मिला। निगमायुक्त ने इस पर नाराजगी जताई तत्काल एएचओ श्री अजय ठाकुर को गोबर डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। जबकि बरा पार्क के फेस 1 में हॉर्टिकल्चर का कार्य करने के निर्देष दिए तथा नियमानुसार पार्क को मेंटेन करने के निर्देष दिए। तथा संबंधित कार्यपालन यंत्री श्री पवन शर्मा को कार्य समय सीमा में पूर्ण कराने एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने के निर्देष दिए।

संस्कृति विभाग की ओर से मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत का अनुपम उत्सव 24 एवं 25 सितम्बर को

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर सांगीतिक घराने के महान संगीतज्ञ एवं पद्मभूषण पं. कृष्णराव शंकर पण्डित की स्मृति में मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा 24 एवं 25 सितम्बर, 2026 को 'संगीत समारोह' का आयोजन किया जा रहा है। तानसेन कला वीथिका, ग्वालियर में आयोजित हो रहे इस समारोह में प्रदेश एवं देश के सुविख्यात संगीतज्ञ पं. कृष्णराव शंकर पण्डित को स्वरांजलि अर्पित करेंगे। कार्यक्रम प्रतिदिन सायं 7 बजे से प्रारंभ होगा एवं श्रोताओं के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा। शास्त्रीय संगीत की परंपरा में ग्वालियर घराने का विशिष्ट और गौरवशाली स्थान है। पं. कृष्णराव शंकर पंडित ग्वालियर घराने के महत्वपूर्ण एवं महान संगीतज्ञ थे, जिनके संगीत ने इस समृद्ध परंपरा को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं। ऐसे महान संगीतज्ञ के अवदान एवं उनकी स्मृति को अक्षुण्ण रखने के उद्देश्य से राज्य शासन के संस्कृति विभाग द्वारा यह आयोजन किया जाता है। साथ ही यह प्रयास किया जाता है कि इन आयोजनों से अधिक से अधिक युवा जुड़ें एवं हमारी सांस्कृतिक विरासत का व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके। संचालक सस्कृति श्री एन पी नामदेव ने बताया कि इस दो दिवसीय आयोजन के पहले दिन 24 सितम्बर गुरुवार को सर्वप्रथम प्रशस्ति गायन होगा, जिसे पं. कृष्णराव शंकर पण्डित द्वारा स्थापित शंकर गंधर्व संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद मध्यप्रदेश के सुविख्यात गायक पं. भुवनेश कोमकली, देवास की गायन सभा सजेगी। पहले दिन की अंतिम प्रस्तुति सुविख्यात गिटार वादक विदुषी कमला शंकर, वाराणसी का गिटार वादन होगा।

खाटू श्याम मंदिर राधा की हवेली का 15 वार्षिक महोत्सव 17 सितंबर से

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

खाटू श्याम मंदिर राधा की हवेली का 15 वार्षिक महोत्सव 17 सितंबर से 23 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा झ पत्रकार वार्ता के दौरान मंदिर के महंत रवि अग्रवाल व मीडिया प्रभारी शिरीष गुप्ता गुड्डू भैया ने बताया आठ दिवसीय 15 वार्षिक महोत्सव की शुरुआत बाबा की शोभा निशान एवं रथ यात्रा के साथ प्रारंभ होगी यही यात्रा दोपहर 3:30 बजे मोर बाजार से प्रारंभ होकर सराफा बाजार गश्त का ताजिया राम मंदिर पाटणकर बाजार दौलतगंज माधवगंज स्काउट महाराज वाडा जनकगंज के रास्ते हनुमान चौराहा लक्ष्मीगंज से अपने गंतव्य स्थान बाई साहब की परेड डॉ कमल किशोर के सामने लक्ष्मीगंज पर समाप्त होगी यात्रा में पुरुष एवं महिलाएं एक से परिधानों में नजर आएंगे साथ ही 101 छोटे एवं पांच बड़े निशान यात्रा में चलेंगे 18 से 22 सितंबर तक मंदिर परिसर में राम कथा पंडित संजीव कृष्ण शास्त्री द्वारा सुनाई जाएगी पूरी कथा का रसपान दोपहर 1:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक किया जाएगा 22 सितंबर एकादशी पर स्थानीय कलाकारों द्वारा बाबा का जोत कीर्तन मंदिर परिसर में होगा 23 सितंबर द्वादशी पर बाबा का भव्य विशाल कीर्तन ब्रज धाम गोयल उत्सव वाटिका में संपन्न होगा जिसमें फतेहाबाद हरियाणा से परमिंदर पलक मुंबई से बॉयज ऑफ इंडिया 2019 के विनर सुमित सैनी एवं जयपुर से महेश परमार अपने-अपने भजन से बाबा को ले जाएंगे श्याम म्यूजिकल ग्रुप के साथ प्रमोद जैन का रसीला साउंड कीर्तन स्थल पर शोभा बढ़ाएगी आठ दिवसीय महोत्सव का समापन 24 सितंबर को विशाल भंडारे के साथ समाप्त होगा यह भंडारा मंदिर परिसर के पास बने गौशाला ब्रिज धाम में दोपहर 12:00 बजे से प्रारंभ हो जाएगा।

अवैध शराब की सूचनायें प्राप्त करने के लिये कंट्रोल रूम गठित

जिला आबकारी अधिकारी व उप निरीक्षकों के मोबाइल पर भी दी जा सकेगी सूचना

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

जिले में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण, विक्रय व परिवहन को रोकने के लिये राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही अवैध शराब की सूचनायें प्राप्त करने के लिये आबकारी नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष नंबर 0751-2457220 है। साथ ही आबकारी विभाग ने वृत्त प्रभारी एवं आबकारी उप निरीक्षकों के मोबाइल फोन नंबर भी अवैध शराब से संबंधित गतिविधियों की सूचना दी जा सकेगी।
सहायक आबकारी आयुक्त कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार आबकारी वृत्त क्र.-1 (थाना क्षेत्र गिरवाई, जनकगंज व बहोड़ापुर) क्षेत्र से संबंधित अवैध शराब गतिविधियों की सूचनायें परिवीक्षाधीन जिला आबकारी अधिकारी सुश्री तृप्ति सिटोले (मोबा. 70243-59248) एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती मोनिका पाठक (मोबा. 94251-12259) को दी जा सकती है।
इसी प्रकार आबकारी वृत्त क्र.-2 (थाना क्षेत्र कम्पू, माधौगंज व झांसी रोड) से संबंधित अवैध शराब की सूचनायें सहायक जिला आबकारी अधिकारी कमलकांत शर्मा (मोबा. 96177-57725) व आबकारी निरीक्षक शिवा रघुवंशी (मोबा. 62642-37028) को दी जा सकती है। आबकारी वृत्त क्र.-3 (थाना क्षेत्र हजीरा, ग्वालियर व गोला का मंदिर) से संबंधित अवैध शराब की सूचनायें सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिनेश कुमार भार्गव (मोबा. 83195-96113) व आबकारी निरीक्षक सुरेश पाराशर (मोबा. 62646-18833) को दी जा सकती है।

अखिल भारत हिंदू महासभा का 15 सितंबर को आधे दिन का लश्कर बंद का सफल आयोजन

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

अखिल भारत हिंदू महासभा जिला ग्वालियर के तत्वाधान में 15 सितंबर आधे दिन का लश्कर बंद का सफल आयोजन किया। आज दिनांक 15 सितंबर को दोपहर 12:00 बजे हिंदू महासभा भवन, दौलतगंज लश्कर, में प्रतिदिन नलों में पानी देने, शहर की गड्ढे वाली सड़कों को ठीक करने , बिगड़ती कानून व्यवस्था,कमर तोड़ महंगाई कम करने, 205 लाख करोड रुपए विदेशी कर्ज से मुक्ति दिलाने, बेलगाम भ्रष्टाचार रोकने,7 जून 2025 को भितरवार में हिंदू देवी देवताओं का बांध एवं धर्मांतरण करने वालों के विरुद्ध अभी तक कार्रवाई न कर दें जांच में प्रकरण देकर हिंदुओं के साथ विश्वास घात करने, मुख्य मंत्री डॉ मोहन यादव के इशारे पर ताजियों को 20 फुट ऊंचाई की छूट और गणेश प्रतिमाओं पर ऊंचाई पर प्रतिबंध जिला प्रशासन ने लगाकर धर्म विरोधी कार्यों के विरोध में हिन्दू महासभा धिक्कार पत्र केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर को लेकर भेजे गए चार दिन के अंदर यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हिंदू महासभा चरण वद्व आंदोलन जारी रखेगी अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ जयवीर भारद्वाज जानकारी दी कि आज लाकर बंद को सफल बनाने में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामबाबू सेन,युवा महामंत्री धर्मेंद्र बरेलिया,राहुल गुप्ता, रोहित जाटव, मनीष माहौर , हेमराज जाटव , सूरज माहौर , दीपक जाटव के नेतृत्व में दाल बाजार,लोहिया बाजार, दौलतगंज,सराफा बाजार,नया बाजार,दुकानदारों से बंद का समर्थन करने पर धन्यवाद ज्ञापित किया ।

ग्वालियर जिले में भी 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलेगा 'सेवा-संकल्प अभियान'

'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के तहत हजारों दीप से जगमगायेगा बैजाताल

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर जिले में भी 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा - संकल्प अभियान' आयोजित होगा। जिले में अभियान को सुव्यवस्थित रूप से मूर्तरूप देने के लिये व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। अभियान के दौरान जनसेवा को जनभागीदारी से जोड़कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाने के प्रयास प्रमुखता से होंगे। अभियान की शुरूआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के तहत दीप प्रज्ज्वलन के साथ होगी। इस दिन सांध्य बेला में ग्वालियर शहर का बैजाताल सायंकाल 7 बजे आशीर्वाद के हजारों दीपों से जगमगायेगा। इसी तरह जिले की जनपद पंचायतों एवं नगर पालिका व नगर परिषदों के अंतर्गत जल स्त्रोतों के किनारे जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक सामूहिक दीप प्रज्ज्वलन करेंगे। इसके अलावा सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी एवं जिले के नागरिक अपने-अपने घरों में दीप प्रज्ज्वलित करेंगे। अभियान के पहले दिन सरकारी अस्पतालों में रक्तदान शिविर भी आयोजित होंगे। ग्वालियर जिले में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देशन में एक माह तक चलने वाले इस अभियान के सुचारू आयोजन के लिये व्यापक कार्ययोजना बनाई गई है। अभियान के तहत सेवा, स्वच्छता, सामाजिक सहभागिता, हितग्राही कल्याण, युवा नवाचार और नागरिक दायित्व से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से आमजन को 'विकसित भारत 2047' के संकल्प से जोड़ा जाएगा। अभियान में जनप्रतिनिधियों के साथ सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, युवाओं, महिलाओं, स्व-सहायता समूहों, वरिष्ठ नागरिकों तथा सामाजिक-आध्यात्मिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी निभायेंगे, जिससे अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा सके। 'सेवा - संकल्प' अभियान के तहत यह गतिविधियां होंगीं अभियान के पहले दिन 17 सितम्बर को सांध्य बेला में आर्शीवाद का दीया कार्यक्रम के तहत बैजाताल एवं जिले के अन्य प्रमुख स्थानों सहित लाभार्थियों के घरों में एक साथ होगा दीप प्रज्ज्वलन। अभियान के पहले दिन सभी की भागीदारी से लगेंगे स्वास्थ्य केन्द्रों एवं अन्य स्थानों पर रक्तदान शिविर। मेरे सपनों का भारत कार्यक्रम के तहत 19 से 26 सितम्बर तक स्कूलों में विकसित भारत की संकल्पना पर चित्रकला एवं भाषण स्पर्धाएं होंगीं। सेवा स्मरण नमो सेवा अनकही कहानियां कार्यक्रम के तहत 19 सितम्बर से 05 अक्टूबर तक संगीतमय नाट्य प्रस्तुतियां आयोजित होंगी।

श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देशन में एक माह तक चलने वाले इस अभियान के सुचारू आयोजन के लिये व्यापक कार्ययोजना बनाई गई है। अभियान

âæÚU-â×æ¿â

°×°Ü°â

इंटर मियामी और नैशविले का मैच 2-2 से ड्रॉ

मियामी। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में नु स्टेडियम में इंटर मियामी और नैशविले के बीच खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी ने एक गोल किया। कॉम्पिटिशन में उनके गोलों की संख्या अब 99 हो गई है। विजिटर्स ने सैम सर्रिज के गोल से चौथे मिनट में बढ़त बनाते हुए स्कोर खोला। इंटर मियामी ने 19वें मिनट में ओन गोल से बराबरी कर ली, जब मेसी की कॉर्नर किक डिलीवरी को नैशविले के डिफेंडर रीड बेकर-व्हिटिंग ने नेट के पीछे डिफ्लेक्ट कर दिया। पहले हाफ के आखिर तक 1-1 का स्कोरलाइन नहीं बदला।

इंटर मियामी के पास दूसरे हाफ की शुरुआत में 50वें मिनट में बढ़त लेने का एक साफ मौका था, लेकिन मेसी के बॉक्स के दाईं ओर से बाएं पैर से मारा गया हिट क्रॉसबार से टकरा गया। बारह मिनट बाद मेसी ने कोई गलती नहीं की और इंटर मियामी ने 62वें मिनट में गोल करके 2-1 की बढ़त बना ली। मेसी को बॉक्स के ठीक बाहर सेंट्रल पोजीशन में डी पॉल से पास मिला, जहां उन्होंने पहली बार बाएं पैर से हिट करके दूर पोस्ट पर नेट के पीछे गोल किया। उन्होंने इस सीजन में अपना 19वां गोल किया। खेल के 66वें मिनट में इंटर मियामी ने दो बदलाव किए, जिसमें सेगोविया की जगह हाल ही में साइन किए गए पैराग्वे के इंटरनेशनल मिडफील्डर मातियास गैलार्जा को शामिल करना शामिल था, जो हमारे क्लब के लिए अपना डेब्यू कर रहे थे। इंटर मियामी ने 78वें मिनट में एक डबल मौके के जरिए अपनी बढ़त लगभग बढ़ा ली थी। बॉक्स के सेंटर से सुआरेज के शुरुआती शॉट को नैशविले एससी के गोलकीपर ब्रायन श्वाके ने बचा लिया, इसके बाद मेसी की कोशिश को मेहमान टीम के गोलकीपर ने रोका और फिर वह लेफ्ट पोस्ट से टकराकर वापस चला गया।

'मेरा पहला अनुभव काफी अच्छा और यादगार रहा'

लद्दाख मैराथन को जीतने के बाद बोले निखिल सिंह

लेह। लद्दाख मैराथन में भारत और विदेशों के 8 हजार से ज्यादा धावकों से हिस्सा लिया। मुंबई में प्रैक्टिस करने वाले निखिल सिंह 42 किलोमीटर की मैराथन को जीतने में सफल रहे। उन्होंने इस मैराथन को 2 घंटे 44 मिनट और 40 सेकंड में पूरा किया। लद्दाख मैराथन को जीतने के बाद निखिल ने आईएएनएस के साथ बात बातचीत करते हुए कहा, 'मैं पहली बार लद्दाख आया हूं और मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा है। हम सड़क मार्ग से आए, इसलिए रास्ते के नजारे वाकई बहुत खूबसूरत थे। हम लगभग 9-10 दिन पहले यहां पहुंचे थे, इसलिए शुरुआती 4-5 दिनों में हमें कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा क्योंकि हम समुद्र तल से अचानक लगभग 3,200 मीटर की ऊंचाई पर पहुंच गए थे। हमने यहां थोड़ा अभ्यास किया और शुरुआती 5-6 दिनों तक कुछ परेशानी झेलने के बाद हम यहां सेट हो गए।' उन्होंने आगे कहा, 'आज मैराथन में मेरा ओवरऑल अनुभव काफी अच्छा था। रूट सपोर्ट काफी बेहतर था। भागते हुए भी जो नजारे देखने को मिल रहे थे, उसको मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं। जो रास्ता था वो काफी मुश्किल था। रास्ता खासतौर पर शुरुआत और आखिरी में थोड़ा ज्यादा मुश्किल था। करीब छह किलोमीटर शुरुआत में ढलान था, लेकिन उसके बाद ज्यादा कुछ नहीं था। हालांकि, ऊंचाई जो थी वो काफी दिक्कत देने वाली थी। ऊंचाई का तो हमें पहले से ही पता था, लेकिन माइंडसेट यह था कि उस पर चलना नहीं है। अभी तो जॉगिंग करके ही पूरा किया है। रास्ते और ऊंचाई को देखते हुए मेरा समय काफी अच्छा रहा।'

निखिल ने कहा, 'मेरा पहला अनुभव काफी अच्छा रहा है और यह हमेशा यादगार रहेगा। मैंने फुल मैराथन में लिया और इसको मैंने करीब 2 घंटे और 44 मिनट में पूरा किया। हालांकि, जो मेरा निजी बेस्ट प्रदर्शन है वो 2 घंटे 22 मिनट का है। मैं भारत की मेजर रेसों में भी हिस्सा ले चुका है। यह ऊंचाई वाली जगह पर मेरा दूसरा मैराथन था। इससे पहले मैंने स्पीति घाटी में मैराथन में हिस्सा लिया था।'

रिकॉर्ड 8वीं बार जीता एशिया कप

महिला विश्व कप के फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से रौंदा

दुबई। भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 72 रनों से हराते हुए विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत से मिले 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम सिर्फ 111 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारत ने यह आठवीं बार एशिया कप की ट्रॉफी जीती है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इमेशा दुलानी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और 4 रन बनाकर आउट हुईं। दूसरे विकेट के लिए चमारी अटापट्टू और विष्मी गुणरत्ने ने मिलकर 53 गेंदों में 58 रन जोड़े। विष्मी 20 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, अटापट्टू 32 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुईं। हर्षिता समरविक्रमा 14 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 9 रन ही बना सकीं। नीलाक्षी डी सिल्वा 16 गेंदों में 22 रन बनाने के बाद श्री चरणी का शिकार बनीं। कविशा दिलहारी 5 गेंदों में 7 रन ही बना पाईं। हसिनी परेरा एक रन बनाकर शेफाली वर्मा की गेंद पर श्री चरणी को कैच देकर पवेलियन लौटीं। कौशानी नुथ्यांगना 9 रन बनाकर आउट हुईं। गेंदबाजी में भारत की तरफ से श्री चरणी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट चटकाए। वहीं, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट अपने नाम किए। शेफाली वर्मा और प्रेमा रावत ने एक-एक विकेट झटका।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने मिलकर पहले विकेट के लिए 12.5 ओवर में 129 रन जोड़े। शेफाली ने 39 गेंदों का सामना करते हुए 68 रनों की तूफानी पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान शेफाली ने 9 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं, मंधाना ने 39 गेंदों में 59 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और वह 14 रन बनाकर आउट हुईं।

ऋचा घोष 13 गेंदों में 17 रन बनाने के बाद चमारी अटापट्टू का शिकार बनीं। दीप्ति शर्मा 5 रन बनाकर आउट हुईं, तो गुनालन कमलिनी ने सिर्फ 5 गेंदों का सामना करते हुए 15 रनों की नाबाद पारी खेली। श्रीलंका की ओर से गेंदबाजी में चमारी अटापट्टू, चमुदी प्रबोधा और मिताली अयोध्या ने एक-एक विकेट चटकाया।

एशिया कप 2026 जीतने पर भारतीय महिला टीम को राष्ट्रपति मुर्मु और पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में फाइनल में श्रीलंका को हराकर विमेंस एशिया कप 2026 जीतनी वाली भारतीय महिला टीम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने बधाई दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महिला टी20 एशिया कप चैंपियनशिप 2026 जीतने पर टीम इंडिया के सभी सदस्यों को मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में एक टीम के तौर पर शानदार खेल दिखाया और सभी मैच जीते। उन्होंने देश का मान बढ़ाया है। वे हमारे युवाओं, खासकर हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत हैं। मुझे यकीन है कि वे सफलता और बेहतरीन प्रदर्शन की और भी कई प्रेरणादायक कहानियाँ रचेंगी।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का पल! एशिया कप जीतने पर महिला टीम को बधाई। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनका आत्मविश्वास, निरंतरता और शानदार जज्बा देखने को मिला। यह जीत देश भर के लाखों युवाओं को और ज्यादा खेलने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करे।' लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महिला टी20 एशिया कप चैंपियनशिप 2026 विजेता बनने पर हमारी महिला क्रिकेट टीम को बधाई। हमारी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए यह खिताब अपने नाम किया, और 8वीं बार एशिया कप में विजयी हुई। हर मुकाबले में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना के साथ खेलते हुए भारतीय महिला खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का शानदार परिचय दिया। यह विजय केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि देश की बेटियों के सामर्थ्य, मेहनत और सपनों की जीत है।' ओम बिड़ला ने आगे कहा, 'इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रत्येक खिलाड़ी का अभिवादन एवं शुभकामनाएं। आपकी यह उपलब्धि देश के युवाओं और विशेषकर हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा का शक्तिशाली संदेश है कि सपने देखिए, मेहनत कीजिए और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी दृढ़ता से आगे बढ़िए।'

विमेंस एशिया कप : भारत ने खिताब जीता पर...

मोहसिन नकवी से नहीं ली ट्रॉफी

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 जीतने के बाद भारतीय टीम ने एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं ली। पुरस्कार समारोह में मैच अधिकारियों और श्रीलंकाई खिलाड़ियों को मेडल देने के बाद कार्यक्रम समाप्त हो गया और भारतीय टीम समारोह में शामिल नहीं हुई। इससे पहले साल 2025 में भी पुरुष टीम ने नकवी से एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार किया था। भारतीय टीम को अबतक वह ट्रॉफी नहीं मिली है। इस सेरेमनी से पहले बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने नंदिनी शर्मा को फील्डिंग मेडल दिया। सैकिया ने खिलाड़ियों को संबोधित किया और उन्हें बधाई दी। रविवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए

'ऐसा नहीं है कि हम किसी से मिलेंगे नहीं', मोहसिन नकवी से हुई मुलाकात पर बोले देवजीत सैकिया

दुबई। भारतीय टीम ने श्रीलंका को फाइनल में हारकर विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। हालांकि, टीम इंडिया ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों से ट्रॉफी नहीं ली। मगर मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया और नकवी साथ में नजर आए। नकवी से हुई मुलाकात के बारे में देवजीत सैकिया ने 'आईएएनएस' को बताया, 'ऐसा नहीं है कि हम किसी से मिलेंगे नहीं। टॉस से लेकर मैच खत्म होने तक मैं बाहर रॉयल बॉक्स की सीटों पर बैठा रहा। वहां बैठने के बाद, मैं पूरे मैच के दौरान उसी जगह पर बना रहा। मैच के दौरान जो भी आया, मुझसे मिला; कोई मेरे बगल में बैठा, फिर राजीव शुक्ला आए और मेरे साथ बैठे। जिस व्यक्ति (मोहसिन नकवी) का आपने जिक्र किया, वह भी आए और डिप्टी चेयरमैन खालिद साहब के बगल में बैठे। यह एक सामान्य परंपरा है, जब भी कोई आता है, हम सभी से मिलते हैं और बातचीत करते हैं।' बीसीसीआई सचिव ने बताया ट्रॉफी विवाद को सुलझाने का प्रयास किया गया, पर वो कोशिश सफल नहीं हो सकी। उन्होंने कहा, 'ट्रॉफी विवाद का हमने हल निकालने की कोशिश की थी, लेकिन हमारी कोशिश नाकाम रही।

एशिया कप में कब तक चलेगा ट्रॉफी को लेकर विवाद?

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से साफतौर पर इनकार कर दिया। इससे पहले, भारतीय पुरुष टीम ने भी साल 2025 में खिताब जीतने के बाद मोहसिन के हाथों से ट्रॉफी नहीं ली थी। हालांकि, सवाल यह है कि मोहसिन के कारण ट्रॉफी को लेकर चला आ रहा यह विवाद कब तक चलेगा? दरअसल, मोहसिन नकवी 3 अप्रैल, 2025 को एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष बने थे। एसीसी के अध्यक्ष का कार्यकाल 2 साल का होता है, जिसे सर्वसम्मति से ही आगे बढ़ाया जा सकता है। नियमों के अनुसार, मोहसिन 3 अप्रैल, 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। एशिया कप का आयोजन 2 साल में एक बार होता है। अगला पुरुष एशिया कप जून 2027 में खेला जाना है। इसका मतलब यह है कि 2027 में होने वाले एशिया कप के दौरान मोहसिन एसीसी के अध्यक्ष पद पर नहीं रहेंगे। ऐसे में अगले एशिया कप में ट्रॉफी को लेकर विवाद खड़ा नहीं होगा। मोहसिन नकवी से पहले एसीसी अध्यक्ष का पद जय शाह ने 2021 से लेकर 2025 तक संभाला था और उन्हें सर्वसम्मति से दोबारा अध्यक्ष चुना गया था। मोहसिन नकवी के बर्ताव को देखते हुए उनके दोबारा अध्यक्ष पद पर चुने जाने की उम्मीद बेहद कम है। माना जा रहा है एसीसी का अगला अध्यक्ष अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का होगा, जिनका कार्यकाल मध्य 2029 तक चलेगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहसिन नकवी के पद से हटने के बाद भारतीय टीम को अपनी दोनों एशिया कप ट्रॉफी भी मिल सकती है।

'साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं'

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास और लक्ष्मण ने दी चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने रविवार को रिकॉर्ड 8वीं बार एशिया कप के खिताब को अपने नाम किया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल में हरमनप्रीत एंड कंपनी ने श्रीलंका को 72 रनों से रौंदा। इस जीत को टीम के दबदबे और सबसे ऊंचे लेवल पर लगातार मुकाबला करने में सक्षम टीम बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मन्हास और पूर्व भारतीय क्रिकेटर व सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के चीफ वीवीएस ??लक्ष्मण ने चैंपियन बनने पर भारतीय टीम को बधाई दी है। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए एशिया कप के खिताब पर कब्जा जमाया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने एशिया कप 2024 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ मिली हार का हिसाब भी चुकता कर लिया। बीसीसीआई अध्यक्ष मन्हास ने भारत के इस अभियान में टीम की सामूहिक कोशिशों की तारीफ की और उस एकता का जिक्र किया जिसने टीम को अजेय रहने और आखिरकार ट्रॉफी जीतने में मदद की। मन्हास ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'साथ मिलकर हम आगे बढ़ते हैं, एशिया कप जीतने पर भारतीय महिला टीम की हर सदस्य को बहुत-बहुत बधाई। पूरे टूर्नामेंट में शानदार दबदबा रहा।'

सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी टीम इंडिया

अफगानिस्तान को होगी पहली जीत की तलाश

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। सीरीज का दूसरा मुकाबला अब मंगलवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारतीय टीम सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, अफगानिस्तान टीम भारत के खिलाफ क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में पहली जीत दर्ज करना चाहेगी। पहले टी20 में भारतीय टीम का प्रदर्शन दमदार रहा। बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की तूफानी पारी खेली थी। अभिषेक के आगे अफगानिस्तान के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए थे। वहीं, ईशान किशन ने 33 गेंदों में 42 रनों का योगदान दिया था। हालांकि, संजू सैमसन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे और वह 10 रन बनाकर आउट हुए थे। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम दूसरे टी20 में संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन में बरकरार रखती है या फिर टीम मैनेजमेंट वैभव सूर्यवंशी को मौका देता है। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 3 विकेट चटकाए थे, जबकि जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल भी किफायती रहे थे। हालांकि, नीतीश कुमार रेड्डी जरूर महंगे साबित हुए थे और उन्होंने 2 ओवर में 30 रन दिए थे। दूसरी ओर, अफगानिस्तान दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पहले टी20 में टीम का टॉप और मिडिल ऑर्डर बुरी तरह से फेल रहा था। हालांकि, निचले क्रम में अजमतुल्लाह उमरजई ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में 64 रनों की दमदार पारी खेली थी।

भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त

नई दिल्ली। भारत ने रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मैच में अफगानिस्तान को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ टीम इंडिया ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। शेष मुकाबले 15 और 17 सितंबर को इसी मैदान पर खेले जाने हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम ने 8 विकेट खोकर 156 रन बनाए। टीम को महज 5 के स्कोर पर रहमानुल्लाह गुरबाज (0) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद सेदीकुल्लाह अटल (13) ने कप्तान इब्राहिम जादरान (11) के साथ दूसरे विकेट के लिए 32 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। अफगानिस्तान ने महज 43 रन तक अपने 5 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद अजमतुल्लाह ओमरजई ने मोहम्मद नबी के साथ छठे विकेट के लिए 56 गेंदों में 83 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 126 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

बुमराह का एक और बड़ा कारनामा

भुवनेश्वर-चहल के 'खास क्लब' में बनाई जगह

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला टी20 इंटरनेशनल मुकाबला अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टॉस जीतकर भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। मैच की दूसरी ही गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने गुरबाज को आउट करने के साथ ही टी20 क्रिकेट में खास मुकाम हासिल कर लिया है। बुमराह ने मैच के पहले ही ओवर में विकेट लेने के साथ ही टी20 क्रिकेट में 350 विकेट पूरे कर लिए हैं।

वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारत की ओर से महज तीसरे गेंदबाज बने हैं। बुमराह से पहले यह मुकाम युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार ही हासिल कर सके हैं। बुमराह लंबे समय बाद भारत की टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं। बुमराह ने इस मैच से पहले अपना आखिरी टी20 8 मार्च, 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

भले ही बुमराह इंजरी से वापस लौटे हों, लेकिन उनकी गेंदबाजी में शुरुआत से ही वही धार नजर आई, जिसके वह जाने जाते हैं। भारतीय टीम ने पहले टी20 में 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के ऊपर संजू सैमसन को तरजीह दी है। संजू अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करते हुए नजर आएंगे। प्रैक्टिस सेशन के दौरान चोट लगने से ईशान किशन के खेलने पर संशय बरकरार था, लेकिन वह प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हैं।

अभिषेक शर्मा ने टी20 क्रिकेट में पूरे किए 3 हजार रन

रसेल-डेविड को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। भारत ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। टीम की इस जीत के नायक अभिषेक शर्मा रहे, जिन्होंने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की आतिशी पारी खेली। अभिषेक ने अपनी इस पारी में 256 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 7 चौके और इतने ही छक्के लगाए। अभिषेक ने टी20 क्रिकेट में 3 हजार रन भी पूरे कर लिए हैं। वह गेंदों के लिहाज से दूसरे सबसे तेज 3 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने हैं। अभिषेक ने यह उपलब्धि 3,420 गेंदें खेलकर पूरी कीं। इस लिस्ट में भारतीय बल्लेबाज से आगे सिर्फ न्यूजीलैंड के फिन एलेन हैं, जिन्होंने यह मुकाम 3,386 गेंदें खेलकर हासिल किया है। अभिषेक ने इस मामले में आंद्रे रसेल और टिम डेविड को पीछे छोड़ा।

रसेल ने टी20 में 3 हजार रन 3,550 गेंदें खेलकर पूरे किए हैं, जबकि डेविड को इस मुकाम तक पहुचंने के लिए 3,681 गेदें लगी थीं। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। संजू सैमसन 8 गेंदों में 10 रन बनाने के बाद उमरजई का शिकार बने।

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संत मलूकदास जी की स्मृति में स्मारक डाक टिकट का किया विमोचन

संत मलूकदास जी की स्मृति में जारी स्मारक डाक टिकट उनकी भक्ति सेवा और मानवता के संदेश को स्मृति से जोड़ने का प्रयास: सिंधिया

रामभक्ति को मानवता और लोककल्याण से जोड़ने वाली संत परंपरा भारत की आत्मा है

■ एक सत बुलेटिन, नई दिल्ली।

केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज संत मलूकदास जी की स्मृति में आयोजित संत समागम के अवसर पर उनके सम्मान में भारत सरकार के डाक विभाग द्वारा जारी स्मारक डाक टिकट का विमोचन किया। इस अवसर पर श्री राम कथा एवं संत समागम का भी शुभारंभ हुआ। संत मलूकदास जी की स्मृति में जारी यह डाक टिकट उनकी भक्ति, ज्ञान, करुणा और लोककल्याण की उस समृद्ध परंपरा को राष्ट्रीय स्मृति से जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसने पीढ़ियों को जीवन का मार्ग दिखाया है। इस अवसर पर संत-महात्माओं, पूज्य संत शिरोमणियों, पूज्य स्वामी राजेंद्र दास देवाचार्य जी महाराज, श्री मलूक पीठ सेवा संस्थान न्यास के पदाधिकारियों तथा देश के विभिन्न हिस्सों से आए श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि संतों की वाणी और उनका जीवन भारत की आत्मा को दिशा देने का कार्य करता रहा है। उन्होंने कहा कि यह विशेष संयोग है कि जिस संत का हृदय प्रभु श्रीराम की भक्ति में रमा रहा, उनकी स्मृति में स्मारक डाक टिकट का विमोचन श्रीराम कथा के शुभारंभ के अवसर पर हो रहा है।

संत मलूकदास जी की रामभक्ति में समाहित था मानवता का संदेश

सिंधिया ने कहा कि संत मलूकदास जी भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त थे, लेकिन उनकी रामभक्ति केवल पूजा और उपासना तक सीमित नहीं थी। उन्होंने प्रभु श्रीराम के चरित्र को अपने जीवन का दर्शन बनाया और उसे जन-जन तक पहुंचाया। श्रीराम को उन्होंने कर्तव्य, त्याग, सत्य, करुणा, न्याय और लोककल्याण के प्रतीक के रूप में देखा। उन्होंने संत मलूकदास जी की प्रसिद्ध पंक्तियों, 'मलूका ऐसी राम की, कृपा भई है मोय। सकल जगत अपना भया, बैरी रहा न कोया।' का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पंक्तियों में संत की उस आध्यात्मिक अवस्था का दर्शन होता है, जहां राम की कृपा से अपना और पराया का भेद समाप्त हो जाता है और पूरा संसार अपना लगने लगता है। उन्होंने कहा कि राम की कृपा जब होती है तो परिवार बड़ा होता जाता है, हृदय में वैर समाप्त होता है और सेवा ही साधना बन जाती है।

विरासत और विकास के साथ आगे बढ़ रहा नया भारत

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज भारत जिस आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है, उसके पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि गहरा सांस्कृतिक आत्मविश्वास भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश अपनी विरासत को आधुनिक विकास के साथ जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने अयोध्या में भव्य राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक तथा देश की अनेक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और पुनर्जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के लिए विकास और संस्कृति एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। भारत आधुनिक भी हो सकता है और अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ भी। तकनीक में अग्रणी बनने के साथ अपनी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना को जीवित रखना ही भारत की विशिष्ट पहचान है।

संत मलूकदास जी का संदेश विकसित भारत की मानवीय आधारशिला

सिंधिया ने कहा कि भारत विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन विकास तभी पूर्ण होगा जब उसके केंद्र में मनुष्य होगा। देश की प्रगति में करुणा, अर्थव्यवस्था में अवसर, तकनीक का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता, शिक्षा के माध्यम से चरित्र निर्माण और समाज के कल्याण के लिए शक्ति का उपयोग ही विकास को सार्थक बनाता है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि डाक विभाग द्वारा जारी किया गया यह स्मारक डाक टिकट संत मलूकदास जी की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्मृति का हिस्सा बनाने का माध्यम है। यह आने वाली पीढ़ियों को उनकी भक्ति, ज्ञान, करुणा और मानवता के संदेश से जोड़ने का भी कार्य करेगा।

एसडीएम गोहद के भ्रमण के दौरान बिना गेट पास सरसों से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त

■ एक सत बुलेटिन, भिण्ड

एसडीएम गोहद के नेतृत्व में क्षेत्र के भ्रमण के दौरान कृषि उपज के परिवहन की जांच की गई। भ्रमण के दौरान सरसों से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां बिना वैध गेट पास के परिवहन करते हुए पाई गईं। जांच के दौरान पहली ट्रैक्टर-ट्रॉली में 123.95 क्विंटल तथा दूसरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में 192.20 क्विंटल सरसों पाई गई। इस प्रकार दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में कुल 316.15 क्विंटल सरसों का परिवहन किया जा रहा था। बिना वैध गेट पास कृषि उपज का परिवहन किया जाना मध्यप्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम, 1972 की धारा 19(6) के प्रावधानों के विपरीत पाए जाने पर दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को नियमानुसार जब्त किया गया। साथ ही मंडी शुल्क के संबंध में धारा 19(4) के प्रावधानों के अनुसार संबंधित प्रकरणों में चालानी कार्यवाही की गई। इस संबंध में दोनों में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही पूर्ण की गई। प्रशासन द्वारा कृषि उपज के परिवहन के दौरान निर्धारित गेट पास एवं आवश्यक दस्तावेज साथ रखने की अपील की गई है, ताकि परिवहन के दौरान किसी प्रकार की अनियमितता न हो।

हल्दी बीज वितरण में अनियमितता की शिकायत पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम सख्त' दिए तत्काल जांच के निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में हल्दी बीज वितरण में कथित अनियमितता और भ्रष्टाचार को लेकर सोशल मीडिया पर सामने आई शिकायतों को कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव (कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग) को इस पूरे प्रकरण की तत्काल और विस्तृत जांच कराने के निर्देश दिए हैं। कृषि मंत्री श्री नेताम ने कृषि उत्पादन आयुक्त को अर्द्धशासकीय पत्र लिखकर प्रकरण की बिन्दुवार जांच कर वास्तविक स्थिति से अवगत कराने को कहा है। उन्होंने 10 सितंबर को भेजे गए पिछले पत्र का हवाला देते हुए जांच प्रक्रिया में तेजी लाने पर जोर दिया है। इन बिंदुओं पर होगी मुख्य रूप से जांच आपूर्तिकर्ता के हल्दी बीज के प्रमाणीकरण, टैग, लॉट और एक्सपायरी डेट की सत्यता। हल्दी बीज की आपूर्ति दरों का औचित्य। लाभार्थी किसानों को नियमानुसार निर्धारित सामग्री और वांछित मात्रा की प्राप्ति। भुगतान की प्रक्रिया नियमों के अनुरूप हुई है या नहीं। मंत्री श्री नेताम ने निर्देश दिए हैं कि किसानों के हित में चलाई जा रही योजनाओं में पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।दोषियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए और की गई कार्रवाई की जानकारी तुरंत दी जाए।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से 150 मत्स्य पालकों ने बदली अपनी किस्मत

महासमुंद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा में गांव, गरीब, किसान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए गए हैं। इसी सोच के अनुरूप केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अब महासमुंद जिले के किसानों के लिए अतिरिक्त आमदनी, स्वरोजगार और रोजगार का मजबूत माध्यम बन रही है। धान की पारंपरिक खेती के साथ किसान मछली पालन, हैचरी और पाउंड लाइनर जैसी गतिविधियों को अपनाकर अपनी आय के नए स्रोत विकसित कर रहे हैं। जिले में करीब 150 किसान योजना का लाभ लेकर मछली पालन को व्यवसाय के रूप में अपना चुके हैं। सरकार से मिलने वाले अनुदान से तालाब निर्माण से लेकर हैचरी और अन्य मत्स्य गतिविधियों के लिए बुनियादी सुविधाएं विकसित हो रही हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। पारंपरिक खेती में लागत बढ़ने के बाद उन्होंने मछली पालन की ओर कदम बढ़ाया। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत करीब 7.50 लाख रुपये की लागत से एक हेक्टेयर में तालाब खुदवाया। इसके पश्चात करीब 14 लाख रुपये की लागत से 20 हजार वर्गफुट में मछली हैचरी स्थापित की।

आर्यावर्त विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस पर रंगारंग आयोजन

कविता, दोहा और चौपाई से विद्यार्थियों ने दिखाई हिंदी की समृद्ध विरासत

■ एक सत बुलेटिन, सीहोर।

आर्यावर्त विश्वविद्यालय सीहोर में कला एवं मानविकी विभाग की ओर से हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत हिंदी दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने कविता, दोहा, चौपाई और अन्य साहित्यिक प्रस्तुतियों के माध्यम से हिंदी भाषा की समृद्ध परंपरा और भारतीय संस्कृति से उसके जुड़ाव को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलगुरु प्रोफ. (डॉ.) दीपक राज तिवारी ने हिंदी को विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि भाषा के प्रति सम्मान केवल एक दिवस तक सीमित नहीं रहना चाहिए। हिंदी हमारी संस्कृति और संस्कारों की वाहक है। विद्यार्थियों को अपने दैनिक जीवन में हिंदी के प्रयोग के साथ साहित्य के अध्ययन की आदत भी विकसित करनी चाहिए। कुलसचिव डॉ. अनुज सिंघई ने भारतीय भाषाओं की विविधता का उल्लेख करते हुए 'कोस-कोस पर पानी और चार कोस पर वाणी' कहावत के माध्यम से भाषा में आने वाले क्षेत्रीय बदलावों को समझाया। उन्होंने बताया कि अलग-अलग क्षेत्रों में स्थानीय बोलियों, शब्दों और उच्चारण की अपनी विशेषताएं हैं। भारतीय कवियों और साहित्यकारों ने अलंकार, रस, दोहा और चौपाई जैसी विधाओं के माध्यम से हिंदी साहित्य को समृद्ध बनाया है। विभागाध्यक्ष डॉ. रेनू दुबे ने अपनी कविता के माध्यम से हिंदी को भारत के गौरव और पहचान से जोड़ा। उन्होंने कहा 'भारत का अभिमान है हिंदी, बिंदी है हिंदी, मन की भाषा, जन की भाषा, प्यारी है हिंदी। ' मंच संचालन रामहित अहिरवार ने किया। कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभाग से सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रेम शिला ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

जिला मुख्यालय पर अपर कलेक्टर ने की जन-सुनवाई, 85 आवेदकों के प्रकरणों की हुई सुनवाई

■ एक सत बुलेटिन, भिण्ड

मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री एल.के. पाण्डेय ने जिले के विभिन्न अंचलों से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 85 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण करने के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान अपर कलेक्टर ने गंभीर बीमारी से संबंधित इलाज, विद्युत बिलों में सुधार, हैण्डपंपों का संधारण, पेंशन, सड़क दुघर्टना सहायता, हितग्राही मूलक योजनाओं, बीपीएल राशन कार्ड एवं जमीन पर कब्जा से संबंधित आवेदनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके संबंध में आवेदक को भी कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश भी दिए।

बीटीआई ग्राउंड में नवरात्रि एवं गरबा आयोजन का यह 15वाँ वर्ष और भी भव्य होगा

रायपुर। राजधानी रायपुर के शंकर नगर स्थित बी.टी.आई. ग्राउंड में संकल्प नवरात्रि एवं रास गरबा उत्सव समिति द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आगामी नवरात्रि पर्व के अवसर पर भव्य नवरात्रि एवं रास गरबा उत्सव का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर मंगलवार को सिविल लाइन, रायपुर में समिति की बैठक संयोजक संजय श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में समिति के सदस्यों ने आगामी नवरात्रि उत्सव की तैयारियों, व्यवस्थाओं एवं आयोजन की रूपरेखा को लेकर विस्तृत चर्चा की। उत्सव को भव्य, व्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण बनाने के लिए विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया तथा सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधा, रास गरबा आयोजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर समिति की टीम द्वारा विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि आयोजन में आने वाले श्रद्धालुओं एवं गरबा प्रेमियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों और पूरा उत्सव अनुशासित एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हो।

जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में अभियान की तैयारियों के संबंध में समीक्षा

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत गतिविधियों की कार्ययोजना जारी

■ एक सत बुलेटिन, भिण्ड

भिण्ड जिले में 17 सितंबर से आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत संचालित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की कार्ययोजना जारी की गई है। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में अभियान की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया जिसमें आवश्यक निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने बताया कि 17 सितंबर को शाम 7 बजे दीया प्रज्ज्वलन का कार्यक्रम किया जाएगा जिसमें प्रत्येक नगर परिषद वार्ड में 250 दीया, नगर पालिका वार्ड और ग्राम पंचायत में 500 दीया का स्वेच्छा से प्रज्ज्वलन किया जाना है, उन्होंने समस्त विभागों को इस कार्यक्रम में उपस्थित रहने के निर्देश दिए। उन्होंने दीया प्रज्ज्वलन के दौरान पूरी सावधानी बरतने के निर्देश दिए जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान अंतर्गत समस्त गतिविधियों की समय पर पोर्टल पर प्रविष्टि सुनिश्चित करें, जिसकी निगरानी के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सेवा सेतु अभियान अंतर्गत 2 से 10 अक्टूबर के बीच सभी ब्लाक में हितग्राहीमूलक योजनाओं के सैचुरेशन के लिए शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिसके बाद समग्र, आधार पंजीयन और सुधार, आयुष्मान पंजीयन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के छूटे हुए हितग्राहियों की संख्या घटनी चाहिए। सेवा चित्र कार्यक्रम अंतर्गत 19 से 26 सितंबर के बीच चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा जिसमें विकसित भारत 2047 की थीम का पालन करने के समस्त बीईओ और बीआरसी को निर्देशित किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मौ में 18 सितंबर को जन विश्वास शिविर का आयोजन यथावत रहेगा। नोडल अधिकारी शहरी व डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप मिश्रा ने बताया कि 17 सितंबर को सम्पूर्ण जिले में वृहद स्तर पर गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। सुबह 6 से 8 बजे के बीच सब्जी मंडी, भिण्ड में तथा अन्य निकायों में चिह्नित स्थलों पर स्वच्छता श्रमदान होगा। इसी दिन 11 से 2 बजे के बीच जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 200 यूनिट रक्तदान का लक्ष्य रखा गया है। आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम अंतर्गत शाम 7 बजे गौरी सरोवर किनारे 51 हजार दीया और भिण्ड किला परिसर में 2100 दीया प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। पूरे जिले में 2.5 लाख दीया प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य है, जिसमें मेहगांव, लहार और गोहद में बड़े कार्यक्रम किए जाएंगे। वनखण्डेश्वर मंदिर, रावतपुरा सरकार, काक्षी सरकार,गोहद किला, अटेर किला, आलमपुर छत्री, बैसली डेम, इत्यादि में भी दीया प्रज्ज्वलित किए जाएंगे।

समारोह

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने अभियंता दिवस पर कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में राज्य स्तरीय समारोह में सेवानिवृत्त अधिकारियों को सम्मानित किया।

इंजीनियरों के पास विकास के सपने को पूरा करने का सामर्थ्य : तोमर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के विजन को पूरा करने के लिए देश के पास संसाधनों के साथ ही प्रतिभाशाली इंजीनियर भी हैं। इंजीनियर अपने नवाचार और तकनीकी क्षमता से भारत को वैश्विक शिखर पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इंजीनियर्स डे पर मध्यप्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में तोमर ने कहा कि सर एम. विश्वेश्वरैया ने सीमित संसाधनों के दौर में आधुनिक भारत की नींव रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आज भारत के पास व्यापक संसाधन और तकनीकी क्षमता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा मिला है और भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बन चुका है। 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' ने युवाओं को जॉब सीकर के बजाय जॉब क्रिएटर बनने का अवसर दिया है। तोमर ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। इंजीनियर एआई, रिन्यूएबल एनर्जी और सस्टेनेबल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें। उनके नवाचार देश को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं।

बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने में बिजली कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका

मध्यप्रदेश की विद्युत क्षमता का तीस प्रतिशत क्लीन एनर्जी : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की विद्युत क्षमता का 30 प्रतिशत क्लीन एनर्जी का है। मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा का भी सेंटर बन रहा है। विद्युत कंपनियों में वर्षों से लंबित पदोन्नति का रास्ता साफ करते हुए 9 हजार से अधिक अभियंताओं और कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई है। इससे हमारे कर्मचारियों में नया उत्साह और आगे बढ़ने का विश्वास पैदा हुआ है। विद्युत कंपनियों में लगभग 20 वर्षों से लंबित फ्रिज बेनिफिट का भी समाधान किया गया है। इसमें नाइट शिफ्ट अलाउंस, कन्वेंस अलाउंस, कंपनसेटरी अलाउंस सहित विभिन्न भत्तों को रिवाइज किया गया। इस निर्णय का लाभ लगभग 25 हजार अधिकारियों और कर्मचारियों को मिल रहा है। विद्युत कंपनियों के अभियंताओं की तीन वेतन विसंगतियों का भी समाधान किया गया है। लंबे समय से चली आ रही इस समस्या के समाधान से हमारे अभियंताओं को राहत मिली है। अधिकारी-कर्मचारियों के परिवार का स्वास्थ्य हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी दिशा में अभियंताओं और कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिक्लेम बीमा योजना लागू की गई है। साथ ही, मध्यप्रदेश की विद्युत कंपनियों में कंपनी कैडर के अभियंताओं, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए सोलर रूफटॉप योजना भी लागू की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का ऊर्जा विभाग के अभियंता और कर्मचारियों द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह का रविंद्र भवन में दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध पावर इंजिनियर्स एंड एम्पलाइज एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा कर्मचारी और अभियंताओं के हित में लिए गए निर्णयों के लिए उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियंता दिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बिजली विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के प्रयासों से ही मध्यप्रदेश बिजली गुल से बिजली फुल स्टेट बना है। हमारा मध्यप्रदेश बिजली सरप्लस स्टेट है, प्रदेश के पास 29 हजार मेगावाट की विशाल विद्युत क्षमता मौजूद है। मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा का भी सेंटर बन रहा है। प्रदेश की विद्युत क्षमता में 30% हिस्सा क्लीन एनर्जी का है। दुबई में इन्वेस्ट एमपी कार्यक्रम में 53 हज़ार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले है, सबसे अधिक निवेश सौर ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में मिला है। प्रदेश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए सतपुड़ा ताप विद्युत गृह और अमरकंटक ताप विद्युत गृह नई विद्युत उत्पादन इकाई को मंजूरी दी गई है। बारह वर्षों में राज्य की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता 25 गुना से अधिक बढ़ी है। आज मध्यप्रदेश 11 हजार मेगावॉट से अधिक की क्षमता स्थापित कर चुका है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में बिजली उत्पादन के लिए हर क्षेत्र में निवेश आ रहा है। प्रदेश में डेटा सेंटर और एआई सेंटर की स्थापना के बाद यह खपत और बढ़ेगी, लेकिन हमारा ऊर्जा विभाग पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में बिजली की पर्याप्त उपलब्धता का लाभ प्रदेश के किसानों को भी मिलेगा। किसानों को अगले सीजन से सिंचाई के लिए दिन में भी 10 घंटे बिजली मिलेगी। इससे किसानों के लिए सुविधा बढ़ेगी। नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश ने लंबी छलांग लगाई है। प्रदेश में विकास के ऐसे समीकरण बनें है, जिससे हम दिन दोगुनी और रात चौगुनी गति से आगे बढ़ेंगे।हमारी सरकार सभी कर्मचारियों और श्रमिकों के कल्याण के लिए परिवार के रूप में सदैव साथ खड़ी है। विद्युत कंपनियों के अभियंताओं, अधिकारी और कर्मचारियों के प्रमोशन और नई भर्तियां आवश्यकतानुसार समय-समय पर होती रहेगी।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं, जनसुनवाई में 120 आवेदन प्राप्त हुए

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में एडीएम श्री सुमित पांडेय ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 120 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एसडीएम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। एडीएम श्री पांडेय ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

17 सितंबर को आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम, सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की कलेक्टर मिश्रा ने की समीक्षा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान-2026' की जिला स्तरीय कार्ययोजना की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। अभियान के अंतर्गत 13 प्रमुख राष्ट्रीय गतिविधियों के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण से संबंधित 25 सेवा गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने बताया कि अभियान का प्रमुख कार्यक्रम 'आशीर्वाद का दीया' 17 सितंबर को आयोजित होगा। इसके अंतर्गत भोपाल नगर निगम क्षेत्र में दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित प्रमुख नदी घाटों, मंदिरों, बांधों, जलशोधन संयंत्रों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के आवासों पर भी दीप प्रज्ज्वलन किया जाएगा। उन्होंने नगर निगम, जिला पंचायत, जल संसाधन तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। 'सेवा चित्र' के अंतर्गत विकसित भारत-2047 एवं सेवा कार्यों पर आधारित चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं 19 सितंबर को विद्यालय स्तर, 22 सितंबर को संकुल स्तर और 24 सितंबर को विकासखंड स्तर पर आयोजित की जाएंगी। जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम 25 से 30 सितंबर के बीच आयोजित होगा। स्कूल, कॉलेज, चिकित्सा एवं नर्सिंग महाविद्यालयों में चित्रकला, भाषण, निबंध, सड़क सुरक्षा और स्वच्छता से संबंधित गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। 'सेवा स्मरण' के अंतर्गत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक शासकीय कलापथक दल, स्वयंसेवी संस्थाओं, विद्यालयों और महाविद्यालयों के सांस्कृतिक दलों द्वारा नुक्कड़ नाटकों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवा कार्यों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसका जिला स्तरीय मंचन 2 अक्टूबर को होगा। 'आंगन का मिलन' कार्यक्रम 25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक आंगनवाड़ी केंद्रों में आयोजित किया जाएगा। इसके साथ रक्तदान, स्वास्थ्य जांच, अंगदान जागरूकता, पोषण एवं एनीमिया जागरूकता और महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से संबंधित गतिविधियां आयोजित होंगी।

स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं किया प्रभाकर श्रोत्रिय ने : डॉक्टर उर्मिला शिरीष

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

वरिष्ठ साहित्यकार स्व. डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय की स्मृति में दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में मंगलवार की शाम 'स्मरण प्रभाकर' कार्यक्रम आयोजित किया गया। साहित्यकारों ने उनके व्यक्तित्व, आलोचना-कर्म और साहित्यिक योगदान को याद करते हुए उन्हें स्वतंत्रचेता, स्वाभिमानी और संवेदनशील साहित्यकार बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ लेखिका डॉ. उर्मिला शिरीष ने की। डॉ. प्रभु दयाल मिश्र और डॉ. रेखा कस्तवार ने डॉ. श्रोत्रिय से जुड़ी स्मृतियां साझा कीं। संयोजन निरंजन श्रोत्रिय ने किया, जबकि संचालन डॉ. विशाखा राजुरकर राज ने किया। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। संग्रहालय की निदेशक करुणा राजुरकर ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. श्रोत्रिय की पत्नी ज्योतिवाला श्रोत्रिय भी उपस्थित रहीं। संग्रहालय की निदेशक करुणा राजुरकर ने कहा कि डॉ. श्रोत्रिय से उनके पारिवारिक संबंध रहे हैं। उनके साथ जुड़ी अनेक स्मृतियां हैं, जिन्हें शब्दों में समेटना कठिन है। उन्होंने उनकी सहजता और आत्मीयता से जुड़ी स्मृतियां साझा करते हुए कहा कि मुझे कागज में पिन लगाने का तरीका श्रोत्रिय जी ने बताया। मुख्य वक्ता और डॉ. श्रोत्रिय के भतीजे निरंजन श्रोत्रिय ने कहा कि परिवार में भी उनका स्वाभिमान कायम रहा और साहित्य में भी। उन्होंने लेखकों के हित में महत्वपूर्ण काम किया और उन्हें भरपूर रॉयल्टी दिलाने के प्रयास किए।

ऋषि पंचमी पर दादाजी धाम में सप्तऋषि-अरुंधती का पूजन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

रायसेन रोड, पटेल नगर स्थित दादाजी धाम मंदिर में मंगलवार को ऋषि पंचमी का पर्व श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने व्रत रखकर सप्तऋषियों और माता अरुंधती का विधि-विधान से सामूहिक पूजन किया। महिलाओं ने प्रातः स्नान के बाद परंपरानुसार अपामार्ग की 108 दातून की और शुद्धता एवं संयम के साथ व्रत का संकल्प लिया। सनातन परंपरा में ऋषि पंचमी को आत्मशुद्धि, प्रायश्चित, संयम और ऋषि परंपरा के प्रति कृतज्ञता का पर्व माना जाता है। इस दिन महर्षि कश्यप, अत्रि, भारद्वाज, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि और वसिष्ठ सहित सप्तऋषियों का स्मरण एवं पूजन किया जाता है। वहीं माता अरुंधती का पूजन आदर्श दांपत्य और पारिवारिक संस्कारों की प्रेरणा के रूप में किया गया।

भोपाल मंडल होकर अजमेर से रांची के बीच 09 ट्रिप पूजा स्पेशल ट्रेन चलेगी

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मंडल के गुना क्षेत्र के यात्रियों को मिलेगा इस सुविधा का लाभ

यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त यात्री भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 09619 /09620 अजमेर-रांची-अजमेर साप्ताहिक पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। यह विशेष ट्रेन दोनों दिशाओं में 09-09 ट्रिप चलेगी। जिसका विवरण इस प्रकार है- गाड़ी संख्या 09619 अजमेर-रांची पूजा स्पेशल ट्रेन अजमेर स्टेशन से प्रत्येक शुक्रवार को 02 अक्टूबर 2026 से 27 नवंबर 2026 तक कुल 09 ट्रिप चलेगी। यह ट्रेन अजमेर से 23:05 बजे प्रस्थान कर अगले दिन मंडल के गुना स्टेशन 09:10 बजे आगमन कर विभिन्न मध्यवर्ती स्टेशनों पर ठहराव करते हुए रविवार को रांची स्टेशन 07:30 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09620 रांची-अजमेर पूजा स्पेशल ट्रेन रांची स्टेशन से प्रत्येक रविवार को 04 अक्टूबर 2026 से 29 नवंबर 2026 तक कुल 09 ट्रिप चलेगी। यह ट्रेन रांची से 10:50 बजे प्रस्थान कर मध्यवर्ती स्टेशनों पर ठहराव करते हुए अगले दिन मंडल के गुना स्टेशन 07:25 बजे पहुंचेगी और आगे विभिन्न स्टेशनों से होते हुए अजमेर स्टेशन 18:35 बजे पहुंचेगी। कोच संरचना- इस विशेष ट्रेन में कुल 18 आईसीएफ कोच होंगे, जिसमें 02 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 05 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 05 स्लीपर श्रेणी, तथा 04 सामान्य श्रेणी एवं 02 एसएलआरडी कोच शामिल हैं।

ठहराव स्टेशन- किशनगढ़, जयपुर, दुर्गापुरा, सवाई माधोपुर, सोगरिया, बारां, छबड़ा गुगोर, रुठियाई जंक्शन, गुना, सागर, दमोह, कटनी मुडवारा, व्योहारी, सिंगरौली, ओबरा डैम, चोपन, रेनूकूट, गढ़वा रोड, डाल्टनगंज, बरवाडीह, लातेहार, टोरी, लोहारदगा बी एस, पिस्का एफएस । यात्रियों से अनुरोध है कि वे इस अतिरिक्त रेल सेवा का लाभ उठाएं। यात्री इस स्पेशल ट्रेन की विस्तृत जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139, रेलवन एप अथवा ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

भोपाल मंडल में राजभाषा पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत आज 'टिप्पण आलेखन प्रतियोगिता' का आयोजन

कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने पर जोर

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल में 14 से 26 सितंबर 2026 तक राजभाषा पखवाड़ा-2026 का आयोजन किया जा रहा है। पखवाड़े के अंतर्गत अधिकारियों एवं कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 15 सितंबर 2026 को 'टिप्पण आलेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में भोपाल मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागियों को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी में प्रभावी एवं सुव्यवस्थित टिप्पण तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर राजभाषा विभाग द्वारा प्रतिभागियों को राजभाषा हिंदी के प्रयोग से संबंधित आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य कर्मचारियों में हिंदी में कार्यालयीन कार्य करने की दक्षता विकसित करने के साथ-साथ सरल, सहज एवं प्रभावी हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना है। उल्लेखनीय है कि 14 सितंबर को राजभाषा पखवाड़ा-2026 का शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी द्वारा किया गया था। राजभाषा पखवाड़े के दौरान 16 सितंबर को हिंदी निबंध प्रतियोगिता, 17 सितंबर को वाक् प्रतियोगिता तथा 21 सितंबर को कर्मचारी प्रश्नमंच का आयोजन किया जाएगा। पखवाड़े का समापन समारोह, पुरस्कार वितरण एवं हास्य कवि सम्मेलन 26 सितंबर को नर्मदा क्लब में दोपहर 3:00 बजे से आयोजित किया जाएगा। भोपाल मंडल द्वारा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों में अधिकाधिक सहभागिता करने तथा कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग एवं प्रसार को बढ़ावा देने का आह्वान किया गया है।

स्वामी **एक सत प्रयास जनकल्याण समिति** के लिए मुद्रक प्रकाशक एवं **सम्पादक अमित शर्मा** द्वारा 401, जीवन छाया अपार्टमेंट, राइट टाउन, जबलपुर (मप्र) पिन: 482004 से प्रकाशित एवं पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई, जबलपुर, मध्य प्रदेश 482002 से मुद्रित। पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI-MPHIN/2019/78787, स्थानीय संपादक: विक्रम सिंह। E-mail:eksatbulletin@gmail.com, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9893311784